घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 209- रविवार 31 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार...अभी केवल संघर्ष विराम,हमने बेंचमार्क बनाया कि भारत उकसावे पर कैसा जवाब देता है : आर्मी चीफ

प्रत्येक सैनिक को ड्रोन उड़ाने में सक्षम होना चाहिए,कैडेटों को भविष्य के युद्धक्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा : सेना प्रमुख

पुणे,30 मई 2026। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल संघर्ष विराम जैसी स्थिति है। जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। कैडेट्स अपने करियर की शुरुआत से ही इस बेंचमार्क को बनाए रखें। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के प्रत्येक सैनिक के पास ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। कैडेटों और सैन्यकर्मियों को भविष्य के युद्धक्षेत्रों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उन्हें ड्रोन प्रणालियों, सिमुलेटरों और ड्रोन-रोधी प्रौद्योगिकियों का व्यापक प्रशिक्षण तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 150वें बैच की पासिंग आउट परेड (पीओपी) के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईएएनएस के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए जनरल द्विवेदी ने ड्रोन युद्ध के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं कि सैनिक ऐसे सिस्टम संचालित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस हों। उन्होंने कहा, 'सेना प्रमुख का पदभार संभालने के बाद मैंने 'ईगल ऑन द आर्म' का विचार रखा था। इसका अर्थ है कि प्रत्येक सैनिक के हाथ में एक ईगल होना चाहिए। जब मैं यह कहता हूं तो मेरा तात्पर्य किसी पक्षी से नहीं, बल्कि ड्रोन से होता है। इसका मतलब है कि प्रत्येक सैनिक में ड्रोन संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए। ' जनरल द्विवेदी ने बताया कि सैन्य संस्थानों और अकादमियों में ड्रोन संचालन से संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारी अकादमियों और अन्य प्रशिक्षण केंद्रों पर ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा सिमुलेटर भी उपलब्ध कराए गए हैं। जब मैं दिसंबर में यहां आया था, तब मैंने व्यक्तिगत रूप से कमांडेंट से बात की थी और सेना प्रशिक्षण दल को चार से छह बड़े ड्रोन तथा सिमुलेटर उपलब्ध कराए थे। इसके बाद कमांडेंट ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए और यहां और अधिक ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। ' सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में सैनिकों को न केवल ड्रोन उड़ाने का ज्ञान होना चाहिए, बल्कि हवाई खतरों को निष्क्रिय करने के लिए विकसित ड्रोन-रोधी प्रणालियों की भी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'प्रत्येक सैनिक के लिए ड्रोन और ड्रोन-रोधी उपकरणों का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है। जब कोई सैनिक युद्ध के मैदान में जाता है तो ड्रोन का उपयोग इतने व्यापक स्तर पर किया जाएगा कि उन्हें नियंत्रित करने और उनका मुकाबला करने के लिए विस्तृत जानकारी की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि हम प्रत्येक कैडेट को वास्तविक ड्रोन और सिमुलेटर के माध्यम से प्रशिक्षण दे रहे हैं। ' जनरल द्विवेदी ने भारतीय सशस्त्र बलों के थिएटराइजेशन की दिशा में हो रही प्रगति पर भी चर्चा की और कहा कि यह पहल सही दिशा में आगे बढ़ रही है। सैन्य कमानों के प्रस्तावित पुनर्गठन से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी में इस विषय पर चर्चा पूरी हो चुकी है।

अगले 2-3 साल में शुरू हो सकता है सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि थिएटराइजेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में सेना, नौसेना और वायुसेना चीफ अपनी-अपनी सेनाओं की तैयारी और संसाधनों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि थिएटर कमांडर जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन देखेंगे। सेना प्रमुख ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग रहती है। थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी।

'डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' के तहत खुद को बदल रही है सेना

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना युद्ध के बदलते रूप को समझते हुए खुद को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। सेना 'डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' पहल के तहत आधुनिक और तकनीक-सक्षम बल में बदलने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सेना के भीतर मौजूदा संसाधनों से ही फर्स्ट रेजिमेंट बटालियन, दिव्यास्त्र बैटरियां, शक्तिमान रेजिमेंट, भारत बटालियन और दूसरी तकनीक-आधारित सैन्य संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। इसमें युवा पीढ़ी की भूमिका को सेंटर में रखा गया है।

सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हमला,चोर-चोर के लगे नारे

सांसद बोले...ऐसे हमलों से नहीं डरेंगे

कोलकाता,30 मई 2026। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को सोनारपुर दौरे के दौरान स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ लोगों ने कथित तौर पर उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। वह चुनाव बाद हुई हिंसा के एक पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। अभिषेक बनर्जी पर कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके। आरोप है कि कुछ लोगों ने उन पर लात-घूंसे चलाने की भी कोशिश की।

इस दौरान भीड़ ने उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे लगाए। यह पहली बार है जब एक ऐसे राजनेता के खिलाफ सार्वजनिक नाराजगी खुलकर सामने आई, जिन्हें एक महीने पहले तक पश्चिम बंगाल की सियासत की ताकत का केंद्र माना जा रहा था।

मुझे जान से मारना चाहते थे, हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा : अभिषेक बनर्जी

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में मृत तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी को शनिवार को विरोध प्रदर्शन और कथित हमले का सामना करना पड़ा। घटना के बाद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन पर ईंट-पत्थर फेंके गए और स्थिति इतनी गंभीर थी कि उनकी जान को खतरा हो सकता था। उन्होंने मामले को लेकर उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की घोषणा की। मृतक तृणमूल कार्यकर्ता संजू के परिवार से मुलाकात के बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उन पर हमला किया गया और उनके साथ मौजूद महिला सहयोगियों के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने दावा किया कि उनकी आंखों की पहले कई सर्जरी हो चुकी हैं और ऐसे में उन पर ईंट-पत्थर फेंके जाना बेहद गंभीर मामला है।

केरल में 24 किलो मादक पदार्थ जब्त पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली,30 मई 2026। राजस्व खुफिया निदेशालय ने केरल में ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए 24 किलोग्राम से अधिक नशीला पदार्थ जब्त करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार कोच्चि इकाई द्वारा समन्वित कार्रवाई में मेथाक्वालोन, मेथामफेटामाइन और हैशिश ऑयल सहित बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े गए। ये पदार्थ अवैध वितरण और तस्करी के लिए तैयार किए जा रहे थे। कार्रवाई कोच्चि, मलप्पुरम और तिरुवनंतपुरम में की गई। डीआरआई ने बताया कि तस्करी के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिनमें हवाई अड्डे पर यात्री सामान, कुरियर पार्सल और निर्यात कार्गो में छिपाकर ले जाने की कोशिश शामिल थी।

डीके शिवकुमार कर्नाटक के 24वें सीएम होंगे

सिद्धारमैया ने नाम बढ़ाया,उनका बेटा भी मंत्री बनेगा,राज्य को 4 डिप्टी सीएम भी मिलेंगे

डीके शिवकुमार चुने गए विधायक दल के नेता

बेंगलुरु,30 मई 2026। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कांग्रेस नेता चंद्रशेखर के मुताबिक, शपथ ग्रहण 3 जून को लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में होगा। सूत्रों के मुताबिक छ्रूके साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। इसमें सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। शिवकुमार 'सीएम रोटेशनल फॉर्मूला' के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। आज की बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है। सभी विधायकों ने मिलकर प्रस्ताव पास किया, इसमें यह तय किया गया कि नए नेता का फैसला कांग्रेस की केंद्रीय लीडरशिप करेगी। इसके बाद सिद्धारमैया ने खुद डीके शिवकुमार का नाम नए सीएलपी नेता के तौर पर पेश किया। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया, सभी विधायकों ने एकमत से इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने एक प्रस्ताव रखकर सिद्धारमैया का शुक्रिया अदा किया। बैठक के दौरान सिद्धारमैया, वेणुगोपाल और सुरजेवाला अलग कमरे में चले गए और आपस में बात की। इसके बाद बैठक फिर शुरू हुई और शिवकुमार को नेता चुना गया।

नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही से बच रही सरकार : पवन खेड़ा

नई दिल्ली,30 मई 2026। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों के बाद केंद्र सरकार को घेरा। खेड़ा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्चतम न्यायालय को सरकार को यह बताना पड़ रहा है कि उसे वही करना चाहिए जो उसकी जिम्मेदारी है। खेड़ा ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और सरकार निगरानी करने की बात कहकर स्थिति को मजाक बना रही है। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है और कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शिक्षा मंत्री जवाबदेह हैं। अब जब कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र वायुसेना ले जाएगी तो अगर फिर लीक हुआ तो क्या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जिम्मेदार होंगे। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, ऐसी घटनाएं रुकेंगी नहीं। कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से पूछा कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) बड़े पैमाने पर परीक्षा कराता है, लेकिन वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। देशभर में 3 मई को एनईईटी-यूजी परीक्षा हुई थी। सात मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। इसके बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। अब 21 जून को पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी।

भारत को जल्द मिल सकता है पहला प्लास्टिक नोट आरबीआई की दो हाई-लेवल बैठकों में हुआ बड़ा फैसला

मुंबई,30 मई 2026। भारत की करेंसी (मुद्रा) के इतिहास में जल्द ही एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक बार फिर अपने सालों पुराने विचार पर गंभीरता से आगे बढ़ने जा रहा है, जिसके तहत देश में जल्द ही पहला प्लास्टिक (पॉलीमर) नोट पेश किया जा सकता है। मौजूदा समय में आरबीआई की तरफ से केवल खास तरह के कागज (कॉटन रैग) से बने नोट ही प्रिंट किए जाते हैं, लेकिन अब इस पारंपरिक व्यवस्था को बदलने की तैयारी अंतिम चरण में है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पिछली दो केंद्रीय बोर्ड मीटिंग्स के दौरान देश में प्लास्टिक नोट्स लाने को लेकर बेहद गंभीर और विस्तृत चर्चा हुई है। बता दें कि केंद्रीय बैंक की ये दोनों हाई-लेवल बैठकें क्रमशः पटना और मुंबई में आयोजित की गई थीं। रिपोर्ट की मानें तो आरबीआई बहुत जल्द देश के कुछ चुनिंदा हिस्सों में प्लास्टिक बैंक नोट्स को लॉन्च करने के लिए एक 'पायलट प्रोजेक्ट' का आधिकारिक ऐलान कर सकता है।

राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा लखनऊ : राजनाथ

लखनऊ,30 मई 2026। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शनिवार को लखनऊ के सीजी सिटी में नौ करोड़ की लागत से निर्मित 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल और लखनऊ की पहचान बनेगा। यह शौर्य वाटिका केवल बनावट का नमूना भर नहीं है यह हमें सेनाओं के संघर्ष और योगदान को स्मरण कराएगी। रक्षामंत्री ने घोषणा की कि यहां पर पनडुब्बी भी आयेगी। बच्चों व परिवारों को यहां लेकर जरूर आएं, ताकि सेना के शौर्य से परिचित हो सकें। राजनाथ ने कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था। हम हथियार बाहर से ही आयात करते थे। अब भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 2014 से पहले भारत एक हजार करोड़ के रक्षाक्षेत्र से जुड़े कल पुर्जे ही निर्यात करता था। अब 40 हजार करोड़ के हथियार हम दुनिया के अन्य देशों में निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ताकतवर तभी कहलायेगा जब हथियाओं के निर्माण में हम आत्मनिर्भर होंगे। हम भारतीय सेनाओं के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही बना रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र अपनी सेनाओं का सम्मान करता है वही राष्ट्र दुनिया में सम्मान पाता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ जिंदगी में हमारे सैनिकों का बलिदान व संघर्ष पीछे छूट जाता है इसलिए शौर्य वाटिका के माध्यम से हम सेना के शौर्य व पराक्रम को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सुरक्षा हमारी सेनाएं ही दे पाती हैं। हमारा देश तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। हिन्द महासागर से हमारी अर्थव्यवस्था व व्यापार जुड़ा है। समुद्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी नेवी के पास ही होती है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी लखनऊ की जीवन धारा है। लखनऊ और गोमती का नाता हमारा नेवी के साथ है। इसके नाम से एक युद्धपोत हमारे देश में है। 1988 में इसे सेना में शामिल किया गया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ऊंचाई छू रहा है। उप्र अब लहलहा रहा है, जगमगा रहा और तेजी से आगे बढ़ रहा है। शौर्य वाटिका निर्माण के लिए सहयोग करने के लिए रक्षामंत्री ने मुख्यमंत्री योगी का आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ आने वाला कोई भी व्यक्ति यहां भारत की परंपरा, विरासत तथा सुरक्षा से जुड़े किसी केंद्र का भ्रमण कर सकता है और उस पर गौरव की अनुभूति कर सकता है।

इसी श्रृंखला में 'नौसेना शौर्य वाटिका' एक नए केंद्र के रूप में यहां स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि जब भारत का सैनिक माइनस डिग्री टेंपरेचर पर, रेगिस्तान की झुलसती गर्मी में एवं समुद्री लहरों का मुकाबला करते हुए देश की रक्षा करता है, तब 140 करोड़ भारतवासी चैन की नींद सोता है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नौसेना शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना के वीर सौनिकों को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल है।

सेवानिवृत्त हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ तीनों सेनाओं ने दी भावभीनी विदाई

नई दिल्ली,30 मई 2026। देश के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान शनिवार को सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना की ओर से संयुक्त रूप से गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। यह समारोह उनके चार दशक से अधिक लंबे और गौरवशाली सैन्य जीवन के सम्मान में आयोजित किया गया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनरल चौहान ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आयोजित समारोह में तीनों सेनाओं के जवानों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी। इस मौके पर जनरल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं के संयुक्त गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सैन्य सेवा से विदाई लेना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने अपने सैन्य जीवन के दौरान मिले सहयोग और विश्वास के लिए सशस्त्र बलों तथा देशवासियों का आभार व्यक्त किया। जनरल अनिल चौहान वर्ष 1981 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम अभियानों एवं रणनीतिक निर्णयों में योगदान दिया। उन्हें देश की सैन्य व्यवस्था में संयुक्तता और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है।

सीयूईटी परीक्षा में अव्यवस्था पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 30 मई 2026। सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी- 2026) में शनिवार को परीक्षा को लेकर अव्यवस्था पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और अब सीयूईटी, चार परीक्षाएं, एक करोड़ बच्चे, लेकिन एक भी परीक्षा सुचारू रूप से नहीं हो पाई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सर्वश्रेष्ठ होने का दावा करती है, जबकि देश में एक परीक्षा भी ठीक से आयोजित नहीं कर पा रही है और पूरी शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। राहुल ने यह भी कहा कि जिस पीढ़ी का भविष्य नष्ट किया जा रहा है, वही पीढ़ी आगे चलकर सरकार से जवाब मांगेगी।

दिल्ली में बड़े आतंकी साजिश का पर्दाफाश...9 गिरफ्तार

नई दिल्ली,30 मई 2026। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और दाऊद इब्राहिम से जुड़े कथित अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के 9 संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से हथियार, ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की है। जांच एजेंसियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली और मुंबई के प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी मंत्रालय, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान तथा सुरक्षाबलों से जुड़े संवेदनशील ठिकाने थे। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस मॉड्यूल को लंबे समय से व्यवस्थित तरीके से तैयार किया जा रहा था और इसके तार पाकिस्तान स्थित संचालकों से जुड़े हुए हैं।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के पाकिस्तान आधारित हैंडलर्स और अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क से संपर्कों के संकेत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि कथित मॉड्यूल का संबंध दाऊद इब्राहिम के अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े तत्वों से हो सकता है।

संपादकीय

जवाबदेही का अभाव

नीट प्रकरण की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि इस परीक्षा के पेपर लीक होने पर जवाबदेही तय हो। यदि ऐसा नहीं होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा,क्योंकि नीट के पेपर लीक होने के कारण 22 लाख से अधिक छात्र दोबारा परीक्षा देने के लिए विवश हैं। पेपर लीक के कारण छात्रों को परेशानी उठाने के साथ ही उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है।

इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय भी सवालों के घेरे में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को संघ लोक सेवा आयोग अर्थात यूपीएससी से सीख लेने को भी कहा। कायदे से तो इस नसीहत की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। एनटीए को तो यह सीख स्वतः लेनी चाहिए थी और शिक्षा मंत्रालय को देखना चाहिए था कि ऐसा हो। इस एजेंसी का गठन इसी लिए किया गया था, ताकि वह नीर-क्षीर ढंग से परीक्षाएं आयोजित करा सके।

यह शर्मनाक है कि इस मामले में एनटीए का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा। यह एक तथ्य है कि पहले भी नीट के आयोजन में गड़बड़ी हो चुकी है और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। यह निराशाजनक है कि एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए गठित राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू नहीं किया गया। शायद इसी का दुष्परिणाम रहा कि नीट के पेपर लीक हो गए।

आखिर जब राधाकृष्णन समिति ने अक्टूबर 2024 में ही अपनी सिफारिशें सौंप दी थीं तो उन सभी पर द्रुत गति से अमल क्यों नहीं किया गया? इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए अपने तमाम काम आउटसोर्स करती है और उसके अधिकांश कर्मचारी संविदा पर हैं। उसने कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं कराने को भी कहा था। समझना कठिन है कि इस स्थिति को बदला क्यों नहीं जा सका?

आखिर ऐसी किसी संस्था के गठन का क्या औचित्य, जो अपना काम अपने स्तर पर करने में सक्षम न हो? एनटीए को नीट जैसी परीक्षाएं कराने के लिए अपना तंत्र उसी तरह विकसित करना चाहिए था, जैसे रेल मंत्रालय के आरआरबीईएस यानी राइट्स ने, शहरी विकास मंत्रालय के एनबीसीसी ने, रिजर्व बैंक एवं भारतीय बैंक संघ के तहत एनपीसीआइ ने या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने किया है।

तंबाकू छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो

लाल बिहारी लाल
नई दिल्ली

तंबाकू के इतिहास की बात करे तो सन 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस ने पहली बार सैन साल्वाडोर द्वीप पर तंबाकू की खोज की थी। और अपनी दूसरी यात्रा के दैरान स्पेन में तंबाकू के पते लेकर आए। सन1558 में तंबाकू के बीज पूरे यूरोप महाद्वीप में फैल गए और उपनिवेशवादियों के आक्रमण के साथ धीरे धीरे यह सारी दुनिया में फैल गई ।

सन 1988 से 31 मई को दुनिया भर में हर साल विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य तंबाकू सेवन के व्यापक प्रसार से नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर आम जन का ध्यान आकर्षित करना और इसके दुष्प्रभावो से जीवों को बचाना है, जो वर्तमान में दुनिया भर में हर साल 70 लाख से अधिक मौतों का कारण बनता है, जिनमें से 8,90,000 गैर-धूम्रपान करने वालों का परिणाम दूसरे नंबर पर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने सबसे पहले 1987 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने को सोंचा और सनं 1988 से लगातार मनाते आ रहे है। पिछले तीन दसक से दुनिया भर में इसके पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ के लोग खड़े मिले है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 7 अप्रैल 1988 को एक संकल्प पारित किया जिसके तहत 24 घंटे दुनिया को तंबाकू पर रोक लगाने का आह्वाहन किया गया जिससे इसे छोड़ने वाले को प्रेरित किया जा सके इसी सोंच का परिणाम निकला कि 31 मई 1988 से हर साल विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाते आ रहे है।

तंबाकू के इतिहास की बात करे तो सन 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस ने पहली बार सैन सेल्वाडोर द्वीप पर तंबाकू की खोज की थी। और अपनी दूसरी यात्रा के दैरान स्पेन में तंबाकू के पते लेकर आए। सन1558 में तंबाकू के बीज पूरे यूरोप महाद्वीप में फैल गए और उपनिवेशवादियों के आक्रमण के साथ धीरे-धीरे यह

सारी दुनिया में फैल गई ।

वर्ष 2003 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पहल पर तंबाकू निषेध के लिए एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य पर संधि हुआ। वर्ष 2008 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की और से एक आह्वान सारी दुनिया को की गई की तंबाकू के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगाई जाये।

तंबाकू के सेवन से श्वसन तंत्र,हृदय तंत्र,पाचन तंत्र,तंत्रिका तंत्र, आदि के नुकसान होने के खतरे बढ़ जाते है। तंबाकू के सेवन से 30 प्रतिशत. कैंसर के मरीजों की संख्या है जिसमें लंग्स और मुँह के कैंसर मुख्य है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के अनुसार हर साल 60 लाख लोग मरते है धूम्रपान जनित रगो से यानी प्रति 6 सेकेंड में एक की मौत होती है। दुनिया में उच्च रक्त चाप के बाद तंबाकू विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हत्यारा है। तंबाकु की खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति 35 लाख हेक्टेयर प्रति वर्य् नष्ट हो जाते है जिसका असर सीधे पर्यावरण पर पड़ता है। तंबाकू उद्योग से हर साल 84 मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जित होते है जो वारतावरण को दूषित करते है। भारत में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2007-08 में 21 राज्यों के 42 जिलो में पायलेट परियोजना के रूप में किया गया। सर्वप्रथम राजस्थान के 2 जिलों जयपुर व झुंझुनू को सम्मिलित कर गतिविधियाँ प्रारम्भ की गयी। वर्ष 2015-16 में जयपुर, झुन्झुनू के अतिरिक्त अजमेर, टॉक, चूरू, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौडगढ़, कोटा, झालावाड,भरतपुर, सवाईमाधोपुर, अलवर, जैसलमेर, पाली, सिरोही, श्रीगंगानगर जिले (कुल 17 जिले) योजनान्तर्गत सम्मिलित किये गये । आज देश के कोने कोने में इस पर काम हो रहा है। इसका परिणाम भी सकारात्मक मिल रहा रहा है।

आज जरुरी है कि ध्रूम्रपान को न कहा जाये क्योकि इसके परिणाम से कितना जीव और घर् बर्वाद हो चुके है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण दोनों जरुरी है इसलिए भारत को आज तंबाकू मुक्त बनाने की जरुरत है।अशके लिए सरकार के साथ साथ हम सब को भी स्वतः पहल करना होगा।

विधायक बनाम तहसीलदार,सुशासन की मेज पर फेंकी गई फाइल,या सिस्टम की सड़ चुकी आत्मा?

विधायक / तहसीलदार,फाइल फेंकने से लेकर गिरफ्तारी ड्रामे तक,आखिर कब सुधरेगा जनता को नौकर समझने वाला सिस्टम?

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर में विधायक रामकुमार टोप्पो और नायब तहसीलदार के बीच हुआ विवाद अब सिर्फ मारपीट,एफआईआर और गिरफ्तारी का मामला नहीं रह गया है, यह घटना उस सड़े हुए प्रशासनिक ढांचे का एक्स-रे बन चुकी है जिसमें जनता को सुविधा नहीं, सजा मिलती है,जहां सरकारी दफ्तर काम करने की जगह कम और आदमी को थकाकर तोड़ देने वाली प्रयोगशाला ज्यादा बन चुके हैं, जहां अधिकारी कुर्सी पर बैठते ही खुद को संविधान का वारिस और जनता को भीख मांगने वाला समझने लगते हैं, और जहां नेता जनता की लड़ाई कम, अपनी ताकत का प्रदर्शन ज्यादा करते हैं, सीतापुर में जो हुआ,वह अचानक नहीं हुआ, यह उस गुस्से का विस्फोट है जो सालों से तहसील,थाना,जनपद, निगम और कलेक्टर कार्यालयों के बाहर लाइन में खड़े लोगों के भीतर जमा होता आ रहा है,फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लाइन में खड़ी महिला किसी गरीब किसान की पत्नी नहीं थी, किसी मजदूर की बेटी नहीं थी,बल्कि विधायक की बहन थी, इसलिए मामला तहसील के कमरे से निकलकर मीडिया, सोशल मीडिया और सत्ता के गलियारों तक पहुंच गया।

सोचिए,एक महिला चार दिन तक सरकारी दफ्तर के चक्कर काटती रही, कभी कहा गया रीडर नहीं है,कभी कहा गया फाइल नहीं है,कभी कहा गया बाद में आना,यह वही सरकारी तंत्र है जो हर साल विज्ञापन छापता है सुशासन, जनसेवा,पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन का, लेकिन जमीन पर हाल यह है कि एक फाइल आज भी अधिकारी की टेबल पर ऐसे घूमती है जैसे किसी मंदिर में दर्शन की लाइन लगी हो और जनता प्रसाद नहीं,कृपा मांग रही हो, और फिर जब बहस बढ़ी तो आरोप है कि नायब तहसीलदार ने फाइल फेंक दी,महिला से तू-तड़ाक की,बाहर निकलने को कहा,अब सवाल यह है कि क्या यह पहली बार हुआ? बिल्कुल नहीं, हर दिन हजारों आम आदमी ऐसे अपमान का सामना करते हैं, कोई अधिकारी फाइल पटक देता है,कोई बाबू बोल देता है समझ नहीं आता क्या? कोई कर्मचारी ऐसे घूरता है जैसे जनता नहीं अपराधी सामने खड़ा हो, लेकिन तब कोई कैमरा नहीं होता,कोई संघ हड़ताल नहीं करता,कोई प्रशासनिक गरिमा खतरे में नहीं पड़ती, कोई सोशल मीडिया पर न्याय नहीं मांगता, क्योंकि तब सामने सिर्फ आम आदमी होता है,और इस देश में आम आदमी का अपमान अब सामान्य प्रक्रिया माना जाने लगा है।

असल सवाल यह नहीं है कि विधायक सही हैं या तहसीलदार,असल सवाल यह है कि ऐसी नौबत आई क्यों?

यही इस पूरे विवाद का सबसे जहरीला सच है,अब दूसरी तरफ विधायक रामकुमार टोप्पो हैं,उनके समर्थकों पर मारपीट,दबाव और हंगामे के आरोप लगे,एफआईआर हुई, गिरफ्तारी की बात हुई, विधायक बोले कि वे गिरफ्तारी देने जा रहे थे लेकिन समर्थकों की वजह से नहीं जा पाए, फिर बयान आया कि गोपनीय तरीके से गिरफ्तारी देंगे, वाह! आम आदमी की गिरफ्तारी पुलिस रात में दरवाजा तोड़कर करती है,लेकिन नेता जी गोपनीय गिरफ्तारी देंगे,यह भारतीय लोकतंत्र का वह व्यंग्य है जिस पर हंसते-हंसते भी शर्म आती है,विधायक ने यह भी कहा कि यह सुशासन की सरकार है,मेरे खिलाफ एफआईआर कराने में दिक्कत नहीं हुई,यह बयान सुनकर शायद पूरा प्रदेश हंसा भी होगा और रोया भी होगा,क्योंकि जनता जानती है कि इसी सुशासन में उसकी शिकायतें महीनों फाइलों में सड़ती रहती हैं, एक साधारण आदमी अगर किसी अधिकारी के खिलाफ शिकायत कर दे तो उसकी शिकायत का हाल वही होता है जो बरसात में सरकारी सड़क का – ऊपर से चमकदार,अंदर से धंस चुकी, असल सवाल यह नहीं है कि विधायक सही हैं या तहसीलदार,असल सवाल यह है कि ऐसी नौबत आई क्यों?-क्यों एक महिला चार दिन तक दफ्तर के

चक्कर काटती रही? क्यों एक अधिकारी जनता से संवाद करने के बजाय अहंकार दिखाने लगा? क्यों एक विधायक को लगा कि सिस्टम से काम नहीं होगा तो ताकत दिखानी पड़ेगी? क्यों हर सरकारी कार्यालय में आम आदमी खुद को अपराधी जैसा महसूस करता है? यह पूरा मामला उस जहरीले गठजोड़ को उजागर करता है जिसमें सत्ता और प्रशासन दोनों जनता को नीचे खड़ा देखकर ही खुश होते हैं।

अधिकारी सोचता है...मैं कुर्सी पर हूं...जनता लाइन में खड़ी रहे...नेता सोचता है...मैं सत्ता में हूं...अधिकारी मेरी बात माने...

और दोनों के बीच पिसता है वह आदमी जिसने वोट भी दिया, टैक्स भी दिया और फिर भी सम्मान नहीं पाया, आज राजस्व निरीक्षक संघ तहसीलदार के समर्थन में हड़ताल कर रहा है, गिरफ्तारी की मांग कर रहा है, प्रशासनिक सुरक्षा की बात कर रहा है, बिल्कुल करनी चाहिए,यदि किसी अधिकारी के साथ मारपीट हुई है तो कानून को कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन यही संघ तब कहां चला जाता है जब कोई किसान महीनों नामांतरण के लिए चक्कर काटता है? जब कोई बुजुर्ग पेंशन के लिए फाइल लेकर भटकता है? जब कोई आदिवासी जमीन के कागज के लिए बाबुओं के सामने हाथ जोड़ता है? तब कौन हड़ताल करता है जनता के सम्मान के लिए? सच यह है कि इस देश में सिस्टम को जनता की तकलीफ नहीं दिखती, उसे सिर्फ अपनी प्रतिष्ठा दिखती है,यहां अधिकारी का अपमान लोकतंत्र पर हमला बन जाता है, लेकिन जनता का अपमान कार्यप्रणाली कहलाता है, यदि यही घटना किसी गरीब आदमी के साथ हुई होती तो शायद वह थाने तक भी नहीं पहुंच पाता, पुलिस उसी से पूछती– तू ज्यादा समझदार बन रहा है क्या?लेकिन यहां सामने विधायक थे,इसलिए पूरा सिस्टम एक्टिव हो गया,यही इस व्यवस्था का असली चेहरा है, और इस पूरे मामले में सरकार की भूमिका सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है।

चुनाव तक जनता मालिक होती है,चुनाव खत्म होते ही वही जनता दफ्तरों में आवेदक बन जाती है...

सरकारें चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपनाती हैं,जाति, धर्म, भावनाएं,वादे,घोषणाएं–सबकुछ, लेकिन सिस्टम सुधारने के नाम पर वही पुरानी फाइलें, वही पुराना रवैया, वही पुराना अहंकार चलता रहता है,आखिर क्यों नहीं तय किया जाता कि किसी भी नागरिक का काम तय समय में होगा? क्यों नहीं ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई होती जो जनता को बेवजह घुमाते हैं? क्यों शिकायतों का निपटारा सिर्फ कागजों में होता है? सच यह है कि सरकारें जनता को वोटर मानती हैं, नागरिक नहीं,चुनाव तक जनता मालिक होती है,चुनाव खत्म होते ही वही जनता दफ्तरों में आवेदक बन जाती है, और फिर शुरू होता है चक्कर काटने का राष्ट्रीय खेल इस पूरे विवाद में विधायक की आलोचना भी जरूरी है,यदि समर्थकों ने दबाव बनाया,यदि हाथापाई हुई, यदि कानून तोड़ा गया,तो कार्रवाई होनी ही चाहिए. लोकतंत्र में विधायक जनता का प्रतिनिधि होता है, दबंगई का लाइसेंसधारी नहीं,लेकिन प्रशासनिक तंत्र को भी आईना देखना होगा,जनता को अपमानित करने की आदत अब अधिकारियों को भारी पड़ने लगी है, आज सोशल मीडिया पर दो गैंग बन चुके हैं,एक कह रहा है विधायक गुंडा है,दूसरा कह रहा है तहसीलदार भ्रष्ट और अहंकारी है,लेकिन दोनों पक्ष उस असली बीमारी पर बात नहीं कर रहे जिससे यह विस्फोट हुआ–जनता और प्रशासन के बीच बढ़ती नफरत।

सरकारी दफ्तर अब सेवा केंद्र नहीं, मानसिक प्रताड़ना केंद्र बनते जा रहे हैं?

सरकारी दफ्तर अब सेवा केंद्र नहीं, मानसिक प्रताड़ना केंद्र बनते जा रहे हैं, जहां आदमी काम से कम,सिस्टम से ज्यादा हारता है, सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि हर सरकार खुद को जनता की सरकार कहती है,लेकिन जनता अगर तहसील पहुंच जाए तो उसे पता चलता है कि असली सरकार बाबू की मेज पर बैठी है,वह तय करेगा फाइल चलेगी या नहीं,वह तय करेगा हस्ताक्षर होंगे या नहीं,वह तय करेगा आदमी सम्मान पाएगा या अपमान,और जब यही व्यवस्था लगातार लोगों को तोड़ती है, तब कभी गुस्सा विधायक के रूप में फूटता है, कभी वकीलों के रूप में, कभी किसानों के रूप में और कभी सड़क पर हंगामे के रूप में, सीतापुर का यह विवाद दरअसल चेतावनी है, यदि सरकारें अब भी नहीं समझीं कि जनता सिर्फ वोट देने की मशीन नहीं है,तो ऐसे टकराव बढ़ते जाएंगे,

यदि प्रशासन अब भी जनता को परेशान होने योग्य प्रजाति समझता रहा, तो एक दिन सरकारी दफ्तरों के खिलाफ गुस्सा विस्फोट बन जाएगा, और यदि नेता जनता की समस्याओं को निजी ताकत दिखाने का मंच बनाते रहे, तो लोकतंत्र सिर्फ पोस्टर में बचेगा, आज जरूरत सिर्फ विधायक की गिरफ्तारी या तहसीलदार के समर्थन की नहीं है,जरूरत उस पूरे सिस्टम की सर्जरी की है जिसमें आम आदमी की इज्जत सबसे सस्ती चीज बन चुकी है, क्योंकि सबसे बड़ा सवाल आज भी वहीं खड़ा है यदि विधायक की बहन चार दिन चक्कर काट सकती है,तो फिर इस प्रदेश में एक साधारण नागरिक की औकात आखिर है क्या?

अमूल्य जीवन से ज्यादा महत्व शरीर गलाते मौत के शौक को...

डॉ. प्रितम भि.गेडाम

हमें अपने आसपास आसानी से प्राप्त होने वाला जहर है तंबाकू,हम सभी इसके बारे में,इससे होनेवाली जानलेवा बीमारियां और खतरों के बारे में अच्छे से जागरूक हैं। टीवी, अखबार और सोशल मीडिया पर तंबाकू के प्रति जागरूकता विज्ञापन देखते रहते हैं। साधारणतः अनपढ़ से लेकर उच्च शिक्षित तक,हर वर्ग,हर उम्र के लोग इसके नुकसान के बारे में जानते है,परंतु गंभीरता नहीं दिखाते,यही सबसे बड़ी समस्या है हमारे समाज कीं। हमारे आखों के सामने छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी तंबाकू का सेवन करते नजर आते है, चौराहों पर संभ्रात घर की लड़कियां, नामी स्कूल की छात्र-छात्राएं भी सिगरेट फूंकते नजर आते है,गांवों-कस्बों में भी तंबाकू उपयोगकर्ताओं की संख्या बहुत ज्यादा हैं। तंबाकू, सिगरेट के पैकेट पर घातक चेतावनी लिखी होती है,पढ़ना और चेतावनी के जानलेवा बीमारी के चित्र को समझना सबको मालूम है,पर गंभीरता ही नहीं। इस साल 2026 विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम आकर्षण का पर्दाफ़ाश–निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला यह हैं।

नशे के लिए लोगों ने मिथ्य तो ऐसे पाल रखे है कि,नशे के लिए ही इनका जीवन बना हो। कोई कहता है कि तंबाकू से उनका पाचन सुधरता है,कोई कहता है कि तंबाकू के सेवन से नींद अच्छी आती है,कोई कहता है कि तंबाकू खाने से काम में मन लगा रहता है ऐसा बोल-बोल कर तंबाकू खाने लग जाते है फिर इसे लत में तब्दील कर लेते है,धीरे-धीरे तंबाकू शरीर को खोखला करना शुरू कर देता है,फिर अवयवों को गलाता है और महंगे लाइलाज बीमारी के चौखट पर खड़ा कर देता हैं। हम पूरी दौलत खर्च करके भी मौत को जीवन में नहीं बदल सकते, फिर इस अनमोल जीवन को अपने नशे के शौक को पूरा करने के लिए क्यों घातक बीमारियों के हवाले करते हो? किशोरवयीन बच्चे, युवा पीढ़ी तो आधुनिकता का दम भरने, दिखावे के चक्कर में और अभिभावकों के नियंत्रण के अभाव में तंबाकू, सिगरेट, हुक्का फुंकने लगते हैं। इस आधुनिकता के भ्रमजाल में युवाओं के लत में बढ़ोतरी के लिए नवनवीन हुक्का पार्लर का साम्राज्य शहरों में खूब फलफूल रहा हैं।

तंबाकू का सेवन विविध पद्धति से किया जाता है जैसे :- बीड़ी, सिगरेट,हाथ से बनी सिगरेट,पाइप,सिगार,हुक्का,वॉटर-पाइप,चुट्टा,धुमती और चिलम शामिल हैं। इसके अलावा तंबाकू वाला पान,खैनी,गुटखा और तंबाकू मिश्रित पान मसाला। मिश्री, गुल,बज्जर,गुड़ाखू आदि जैसे तंबाकू उत्पादों को दांतों और मसूड़ों पर लगाया जाता है और नसवार को सूंघा जाता हैं। हमारे भारत देश में हर दिन लगभग 3,500 मौतें तंबाकू इस्तेमाल की वजह से होती हैं। भारत में 15 साल और उससे ज़्यादा उम्र के 26.7 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ता हैं। 2011 में 35 से 69 साल के लोगों के लिए तंबाकू इस्तेमाल का आर्थिक खर्च 1,04,500 करोड़ रुपये था।

जब कोई व्यक्ति खुद धूम्रपान नहीं करता,परंतु किसी अन्य द्वारा किए जा रहे धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आता है एवं उस धुएं को सांस के जरिये ऑक्सीजन के साथ शरीर में लेता है तब वह व्यक्ति सेकेंड हैंड धूम्रपान वाला व्यक्ति होता हैं। हम अक्सर अपने घरों या आसपास किसी को धूम्रपान करते हुए देखते है,जिसका धुंआ पुरे घर में फैल जाता है और घर के अन्य सदस्य भी उस धूम्रपान के धुएं के शिकार बन जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, तंबाकू उन आधे से ज़्यादा तंबाकू उपभोक्ताओं की जान ले लेता है जो इसे छोड़ते नहीं हैं। तंबाकू से हर साल 7 मिलियन से ज़्यादा लोगों की मौत होती है; इसमें लगभग 1.6 मिलियन लोग जान गवांते है, जो सेकंड-हैंड धूम्रपान के संपर्क में आते हैं। साथ ही तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण लोग विकलांग हो जाते हैं और लंबे समय तक दर्दभरी तकलीफ़ झेलते हैं।

तंबाकू से हर साल 1.35 मिलियन से अधिक की असमय मौत जिसमे धूम्रपान और सेकेंड हैंड स्मोक से लगभग 1.2 मिलियन भारतीयों की मौत भी शामिल हैं। स्मोकलेस तंबाकू से होने वाले वैश्विक स्वास्थ्य बोझ का 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में हैं। स्मोकलेस तंबाकू के इस्तेमाल से हर साल 2,30,000 से ज़्यादा भारतीयों की मौत होती हैं। भारत में मुंह के कैंसर के लगभग 90 प्रतिशत मामले स्मोकलेस तंबाकू के इस्तेमाल से होते हैं। जो लोग बीड़ी और सिगरेट पीते हैं, वे धूम्रपान न करने वाले लोगों की तुलना में 6 से 10 साल पहले मर जाते हैं। भारत में कैंसर के सभी मामलों में से 27 प्रतिशत तंबाकू के इस्तेमाल की वजह से होते हैं। कर्करोग,हृदय विकार,मधुमेह, फेफड़ों की पुरानी बीमारियां, स्ट्रोक, इनफर्टिलिटी, अंधापन,ट्यूबर कुलोसिस,मुंह की बीमारियां अन्य के लिए यह तंबाकू बेहद घातक घटक हैं। कर्करोगों के 50 फीसदी मामले पुरुषों में और 20 फीसदी महिलाओं में तंबाकू से होते हैं। तंबाकू से भारतीय अर्थव्यवस्था को हर साल लगभग 1773.4 बिलियन रुपये (अमेरिकी डॉलर 27.5 बिलियन) का नुकसान होता है, जो देश के सकल घरेलु उत्पाद का 1 प्रतिशत से ज़्यादा हैं।

आशिकी के चक्कर में बकरा हलाल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

इश्क जब परवान चढ़ता है तो मजनू लैला के लिए तारे तोड़ लाता है। लेकिन जब यही इश्क बेंगलुरु के किसी लॉ कॉलेज की कैंटीन में कड़क चाय और समोसे के साथ पकता है, तो कानून की किताबें सिर्फ कोर्ट में गवाही मुकरने के काम आती हैं,साहब।

कहानी शुभा नाम की उस इक्कीस साल की कन्या की है,जिसका दिल उन्नीस साल के अपने जूनियर अरुण वर्मा पर ऐसा आया कि लगा दुनिया के सारे ट्रैफिक सिग्नल हरे हो गए हैं। अब माता-पिता तो ठहरे पुराने जमाने के रेडियो, जिनमें सिर्फ सामाजिक सुरक्षा के गाने बजते हैं। उन्होंने अरुण को देखा तो कहा कि बेटा,इस लौंडे की मूंछें ठीक से उगी नहीं हैं, यह तुम्हें क्या खिलाएगा। उन्होंने शुभा के लिए एक सीधा-साधा, संस्कारी और मोटी तनख्वाह वाला बकरा ढूंढा। नाम था बी. वी. गिरीश। सत्ताइस साल का बढ़िया सॉफ्टवेयर इंजीनियर, जिसका काम सिर्फ कंप्यूटर के की-बोर्ड पर उंगलियां नचाना और महीने की आखिरी तारीख को खाते में गिरते रुपयों को गिनना था।

तीस नवंबर की उस ठंडी शाम को जब सगाई के ढोल बज रहे थे,तो पूरा खानदान रसगुल्ले खाकर डकार ले रहा था। सबको लग रहा था कि लड़की का भविष्य अब सीधे स्वर्ग के हाईवे पर दौड़ने लगा है। कैमरे फ्लैश चमका रहे थे, पर शुभा के चेहरे की बत्ती गुल थी। वह ऐसे बैठी थी मानो सगाई की अंगूठी नहीं, तिहाड़ जेल का वारंट थमा दिया गया हो। वीडियो कैमरे वाले ने बार-बार कहा कि मैडम थोड़ा मुस्कुराइए, पर वह तो अंदर ही अंदर अपने अरुण के साथ जुदाई के आंसू पी रही थी।

खैर,शादी पक्की होने के ठीक तीन दिन बाद,शुभा के भीतर अचानक एक आदर्श मंगेतर की आत्मा जाग उठी। उसने गिरीश को फोन घुमाया। आवाज में मिश्री घोलकर बोली कि सुनो जी, शादी से पहले थोड़ा एक-दूसरे को समझ लेते हैं। चलो,आज शाम डिनर करते हैं और फिर एचएएल एयरपोर्ट के पास इनर रिंग रोड पर चलकर हवाई जहाजों को उड़ते हुए देखेंगे।

गिरीश ठहरा कंप्यूटर का सीधा प्रोग्राम। उसने जिंदगी भर कोडिंग सीखी थी,औरतों की डिकोडिंग उसे आती नहीं थी। वह फूला नहीं समाया। उसने सोचा कि कितनी रोमांटिक मंगेतर मिली है, जो तारों के नीचे हवाई जहाज दिखाना चाहती है। वह अपनी बाइक स्टार्ट करके पहुंच गया,यह सोचे बिना कि कुछ उड़ानें सीधे ऊपर वाले के घर के लिए भी तय होती हैं।

दिसंबर की उस रात इनर रिंग रोड पर हवाएं चल रही थीं। गिरीश बड़े चाव से रनवे की तरफ आंखें फाड़े देख रहा था कि कैसे लोहे का इतना बड़ा पंछी आसमान को चीरते हुए उड़ जाता है। वह कौतुक से भरा हुआ था। ठीक उसी समय, शुभा के प्यार का असली रंग पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार होकर आया। तीन लड़के आए, जिनके हाथों में गुलाब के फूल नहीं,बल्कि मोटरसाइकिल के लोहे के भारी-भरकम शॉक एब्जॉर्बर थे। जैसे ही गिरीश ने एक जहाज को उड़ते देखा,पीछे से लोहे के उस भारी रॉड ने उसके सिर पर जोर का प्रहार किया। खोपड़ी के परखच्चे उड़ गए। खून की धार बह निकली। शुभा वहीं खड़ी रही। उसने अपनी वकालत की पढ़ाई का पहला लाइव प्रैक्टिकल देखा। उसने रोने-चीखने का ऐसा नाटक शुरू किया कि आसपास के राहगीरों को लगा कि इस बेचारी से ज्यादा दुखी औरत इस ब्रह्मांड में कोई नहीं है। वह हैरान होने का स्वांग रचती रही, मानो उसे पता ही न हो कि यह सब किसने किया।

अगले दिन अस्पताल के सफेद बिस्तरों के बीच गिरीश की सांसें टूट गईं। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने एक ऐसी लड़की पर भरोसा किया था जो कोर्ट की दलीलों से पहले कत्ल की दलीलें तैयार कर चुकी थी।

पुलिस आई। शुरुआती जांच वैसे ही चली जैसे हमारे देश में सरकारी काम चलते हैं। गिरीश का कोई दुश्मन नहीं था, बेचारा सीधा लड़का था।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

बदला मौसम का मिजाज,झमाझम बारिश से मिली राहत

तेज हवा और बिजली की कड़क के साथ हुई जोरदार बारिश,शहर की सडकें हुईं जलमग्न...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026
(घटती-घटना)।
नवतपा के पांचवें दिन गुरुवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवा,बिजली की कडक़ड़ाहट और झमाझम बारिश से पूरा शहर तरबतर हो गया। करीब एक घंटे से अधिक समय तक हुई तेज बारिश के कारण कई सडक़ों और निचले इलाकों में पानी भर गया।

पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बारिश ने बड़ी राहत दी। दोपहर तक तेज धूप और गर्म हवाओं का असर बना रहा,लेकिन शाम होते-होते मौसम का रुख बदल गया। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी। बारिश के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों पर पानी जमा हो गया,जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। हालांकि मौसम सुहावना होने से लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में इसी तरह उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं तेज हवा,गरज-चमक और बारिश होने की संभावना जताई गई है। गौरतलब है कि वर्तमान में नवतपा का दौर चल रहा है। ऐसे समय में हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी है, लेकिन मौसम के बदलते मिजाज ने किसानों और आमजन की चिंता भी बढ़ा दी है। प्री-मानसून की बारिश ने शहर को कूल कर दिया है। भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। पिछले कई दिनों से हीटवेव की स्थिति बनी हुई थी। शनिवार की शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई। एक घंटे हुई मूसलाधार बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। वहीं बेमौसम बारिश ने नगर निगम की पोल खोलकर रख दी है। कई सडक़ों पर जल जमाव की स्थिति निर्मित हो गई। चौपाटी के पास सडक़ पर पानी जमा होने से तालाब जैसी स्थिति बन गई। जबकि चौपाटी में कुछ ही दिन पूर्व नाली का निर्माण कराया गया है। नाली ऊपर और सडक़ नीचे होने से बारिश का पानी सडक़ पर ही बह रहा है। यह नगर निगम के इंजीनियर व ठेकेदारों का बुद्धिमता के कारण ऐसी स्थिति निर्मित हुई है। सडक़ पर भरे पानी से गुजरने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अंबिकापुर में 25 मिमी बारिश

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल के अनुसार पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव आने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। तीन से चार दिन पूर्व अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री पहुंच गया था,लेकिन मौसम में बदलाव आने से शनिवार का तापमान गिरकर 36.4 डिग्री पहुंच गया है। वहीं अंबिकापुर में 25.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में इसी तरह उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं तेज हवा,गरज-चमक और बारिश होने की संभावना जताई गई है। वर्तमान में नौतपा का दौर चल रहा है। ऐसे समय में हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी है, लेकिन मौसम के बदलते मिजाज ने किसानों और आमजन की चिंता भी बढ़ा दी है।

सीतापुर की घटना ने सरकार के सुशासन के दावों की खोली पोल : द्वितेंद्र मिश्र

विधायक-नायब तहसीलदार विवाद को बताया प्रशासनिक विफलता का उदाहरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मई 2026(घटती-घटना)।
प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री द्वितेंद्र मिश्र ने सीतापुर में विधायक रामकुमार टोप्पो एवं उनके समर्थकों तथा नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी के बीच हुए विवाद को राज्य सरकार के सुशासन के दावों पर बड़ा प्रश्नचिह्न बताया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के विरुद्ध पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किया जाना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है। द्वितेंद्र मिश्र ने जारी बयान में कहा कि राज्य सरकार एक ओर सुशासन तिहार का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है। सीतापुर की घटना यह दर्शाती है कि न तो जनप्रतिनिधियों की सुनवाई हो रही है और न ही आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर निराकरण हो पा रहा है।

उन्होंने विधायक एवं उनके समर्थकों द्वारा कथित रूप से किए गए मारपीट के कृत्य को निंदनीय बताते हुए कहा कि कानून को अपने हाथ में लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर आम जनता में लंबे समय से असंतोष व्याप्त है। लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए महीनों तक कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर रहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि नायब तहसीलदार स्वयं यह स्वीकार कर रहे हैं कि स्वास्थ्य कारणों और कार्यालयीन व्यवस्थाओं के चलते कई दिनों तक नियमित कामकाज प्रभावित रहा, तो यह भी प्रशासनिक जवाबदेही का गंभीर विषय है। ऐसी परिस्थितियों में आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यह स्थिति बन गई है कि मंत्री, विधायक, अधिकारी और कर्मचारी सभी अपनी-अपनी समस्याओं की बात कर रहे हैं, लेकिन जनता की समस्याओं का समाधान कहीं दिखाई नहीं देता। सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग को लेकर सामने आ रही हैं, जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता का अभाव महसूस किया जा रहा है।

द्वितेंद्र मिश्र ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। विकास के नाम पर केवल घोषणाएं हो रही हैं, जबकि महंगाई, किसानों की समस्याएं, श्रमिकों की परेशानियां, राशन वितरण की शिकायतें तथा बिजली-पानी-सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ गठन के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बनी है, जब आम नागरिकों के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बन गया है कि सरकार आखिर चला कौन रहा है और शासन की जवाबदेही किसके पास है। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शासन-प्रशासन की यही स्थिति बनी रही तो कांग्रेस पार्टी आम नागरिकों के साथ मिलकर व्यापक जनअभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के बीच जाकर ÷कहां है सरकार, किसे कहते हैं सुशासन÷ विषय पर जनजागरण अभियान चलाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी।

जूनियर नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए सुरगुजा के 5 खिलाड़ी ओडिशा के लिए रवाना

ओडिशा के खोरधा में 30 मई से 3 जून तक होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026 (घटती-घटना)।
सुरगुजा जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के पांच खिलाडिय़ों का चयन जूनियर नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए हुआ है। सभी खिलाड़ी और टीम कोच शुक्रवार को ओडिशा के खोरधा के लिए रवाना हुए। 30 मई से 3 जून तक केटी ग्लोबल स्कूल,खोरधा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में सुरगुजा के खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम में बालक वर्ग से शौर्य वर्धन सिंह, आयुष सारथी और विशेष सोनपाकर तथा बालिका वर्ग से संगीता सिंह और नुपुर सिंह सांधिल्य का चयन हुआ है। खिलाडिय़ों के साथ टीम कोच सरवर एक्का भी रवाना हुए हैं। एसोसिएशन के अनुसार खिलाडिय़ों ने प्रतियोगिता के लिए लंबे समय से नियमित अभ्यास और विशेष प्रशिक्षण लिया है। टीम से राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। कोच सरवर एक्का ने कहा कि सभी खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जा रहे हैं और राष्ट्रीय मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन तथा खेल प्रेमियों ने खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं दी हैं।

शतरंज एकाग्रता एवं तार्किक चिंतन को विकसित करने का सशक्त माध्यम : विश्वविजय

दो दिवसीय जीएच रायसोनी मेमोरियल ऑल इंडिया ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026
(घटती-घटना)।
शहर के सरस्वती शिशु मंदिर में भारतीय शतरंज महासंघ एवं छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जीएच रायसोनी मेमोरियल ऑल इंडिया ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने किया। इस दौरान मीरा साहू,प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर तथा सरोज वैष्णव, संयुक्त सचिव,छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विश्वविजय सिंह तोमर ने खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास,एकाग्रता एवं तार्किक चिंतन को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाडिय़ों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सरगुजा जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा एवं एसएसपी वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक (चीफ आर्बिटर) अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अनिश अंसारी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर शुभम बसोने एवं प्रदीप कुमार मंडल उप मुख्य निर्णायक (डेप्युटी चीफ आर्बिटर) के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 195 खिलाडिय़ों ने भाग लिया है, जिनमें 53 फिडे रेटेड खिलाड़ी शामिल हैं। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता का आयोजन 30 एवं 31 मई को किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस चार चक्र तथा द्वितीय दिवस पांच चक्र खेले जाएंगे। उद्घाटन समारोह में बी मणियन, सत्यजीत मिश्रा, एसएम कुरैशी, अविनाश पाण्डेय,प्रकाश पाण्डेय, एसआर जायसवाल सहित रायपुर एवं अन्य स्थानों से आए शतरंज प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सरेंडर नहीं,ड्रामेबाजी कर रहे हैं विधायकः अमरजीत भगत

नायब तहसीलदार मारपीट प्रकरण पर पूर्व मंत्री का तंज,कहा...गिरफ्तारी देनी है तो थाने जाएं

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026 (घटती-घटना)।
राजापुर में पदस्थ नायब तहसीलदार से मारपीट मामले में दर्ज एफआईआर के बीच पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने सीतापुर विधायक पर निशाना साधा है। विधायक द्वारा गिरफ्तारी देने आईजी कार्यालय आने और फिर समर्थकों के समझाने पर वापस लौटने की घटना को उन्होंने ड्रामेबाजी बताया है। अमरजीत भगत ने कहा कि यदि किसी को गिरफ्तारी देनी है तो उसके लिए थाना मौजूद है। आईजी कार्यालय तक रैली के साथ पहुंचना और फिर लौट जाना केवल दिखावा है। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा नहीं सुना गया कि कोई व्यक्ति आईजी कार्यालय जाकर सरेंडर करता हो। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश में सुशासन की बात की जा रही है,लेकिन इस तरह की घटनाएं और राजनीतिक नाटक लगातार सामने आ रहे हैं। नियम और प्रक्रिया के तहत गिरफ्तारी देनी है तो संबंधित थाने में जाकर दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 27 मई को राजापुर में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक पर विधायक की बहन ने बदसलूकी और फाइल फेंकने का आरोप लगाया था। इसके बाद नायब तहसीलदार ने विधायक और उनके समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाया। मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। नायब तहसीलदार की रिपोर्ट पर विधायक और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद राजस्व अधिकारियों ने शुक्रवार को गिरफ्तारी की मांग को लेकर एक दिन की कलमबंद हड़ताल भी की।

कवि सुरेश जायसवाल को विद्या वाचस्पति सम्मान

साहित्य और सरगुजिहा भाषा के क्षेत्र में योगदान के लिए मिला सम्मान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026
(घटती-घटना)।
हिंदी एवं सरगुजिहा भाषा के वरिष्ठ कवि सुरेश प्रसाद जायसवाल निश्छल को काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा विद्या वाचस्पति का मानद सम्मान प्रदान किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से साहित्य प्रेमियों और जिले के साहित्यिक जगत में खुशी का माहौल है। इसके अलावा हाल ही में मैहर में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में उन्हें कहानिका मां शारदा काव्य महारथी सम्मान से भी सम्मानित किया गया। वहीं बहुभाषी काव्य संग्रह उम्मीदों के शिखर पर का सरगुजिहा भाषा में अनुवाद करने के लिए आत्मसृजन प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सुरेश जायसवाल की अब तक 27 पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। उनकी प्रमुख कृतियों में हिंदी और सरगुजिहा भाषा के अनेक काव्य संग्रह, दोहा संग्रह तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित रचनाएं शामिल हैं। वे लंबे समय से साहित्य सृजन में सक्रिय हैं तथा तुलसी साहित्य समिति के संरक्षक के रूप में भी साहित्यिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत

बारिश से बचने झोपड़ी में रुका था, बाहर निकलते ही हुआ हादसा

कुसमी ,30 मई 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम लेफूआटोली में आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है,जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार लेफूआटोली निवासी नागेन्द्र पैकरा (17) शनिवार सुबह गांव के एक युवक के साथ ट्रैक्टर से खेत में गोबर खाद खाली करने गया था। लौटते समय मौसम अचानक खराब हो गया और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। दोनों बारिश से बचने के लिए श्मशान घाट के पास स्थित एक झोपड़ी में रुक गए। कुछ देर बाद बारिश कम होने पर दोनों झोपड़ी से बाहर निकले। इसी दौरान नागेन्द्र जैसे ही कुछ कदम आगे बढ़ा,तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली उस पर गिर गई। हादसे में वह मौके पर ही गंभीर रूप से झुलस गया और जमीन पर गिर पड़ा। सूचना पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार नागेन्द्र ने आठवीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने पढ़ाई छोडक़र परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाना शुरू कर दिया था। वह ट्रैक्टर चलाना सीख चुका था और कृषि कार्य के साथ पिता की आजीविका में सहयोग करता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

नायब तहसीलदार पर महिला ने लगाए आपत्तिजनक प्रस्ताव देने के आरोप

सीतापुर थाने में शिकायत,मामले की जांच और कार्रवाई की मांग...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 मई 2026
(घटती-घटना)।
राजापुर में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सीतापुर नगर पंचायत चुनाव 2024-25 में पार्षद पद की प्रत्याशी रही एक महिला ने उनके खिलाफ सीतापुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने नायब तहसीलदार पर अनुचित टिप्पणी करने और गलत मंशा से समय बिताने का प्रस्ताव देने का आरोप लगाया है।

महिला ने अपनी शिकायत में बताया है कि नगर पंचायत चुनाव के दौरान तुषार मानिक सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उसी दौरान कथित रूप से उन्होंने चुनावी प्रक्रिया से जुड़े एक मामले में बातचीत के दौरान आपत्तिजनक प्रस्ताव रखा। महिला का आरोप है कि उन्होंने इसका विरोध किया और बात को आगे नहीं बढ़ाया। शिकायतकर्ता के अनुसार लोक-लाज और सामाजिक कारणों से उसने उस समय किसी से इस संबंध में चर्चा नहीं की थी। हालांकि हाल के घटनाक्रम के बाद उसने थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि 27 मई को राजापुर में नायब तहसीलदार और सीतापुर विधायक के समर्थकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी बीच महिला की शिकायत सामने आने से मामला और चर्चा में आ गया है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर ली है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुमशुदगी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा लाइफ गार्ड लाइसेंस कहीं गुम/खो गया है। उक्त दस्तावेज़ की काफी तलाश करने के पश्चात भी उसका पता नहीं चल पाया है। यदि किसी व्यक्ति को यह लाइसेंस प्राप्त हो अथवा इसके संबंध में कोई जानकारी हो, तो कृपया निम्नलिखित मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का कष्ट करें।
नाम - वेदराम राजवाड़े
दस्तावेज़ - लाइफ गार्ड लाइसेंस
मोबाइल - 7089813885
उक्त लाइसेंस के गुम हो जाने के उपरांत उसके किसी भी प्रकार के अनधिकृत उपयोग, दुरुपयोग अथवा उससे संबंधित किसी भी गतिविधि के लिए मैं उत्तरदायी नहीं रहूंगा।

भवदीय
वेदराम राजवाड़े

कांग्रेस में फीता कटता था, हमारी सरकार में इमारत खड़ी होती है

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

कोरिया जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी सौगात, नर्सिंग कॉलेज और अटल आरोग्य लैब का भूमिपूजन व शुभारंभ

सरडी गांव में बनेगा तीन मंजिला नर्सिंग कॉलेज,जिला अस्पताल निर्माण 31 मई 2027 तक पूरा करने के निर्देश

नर्सिंग कॉलेज, आरोग्य लैब और मंच से कांग्रेस पर प्रहार...स्वास्थ्य मंत्री के कार्यक्रम में विकास से ज्यादा गूंजा भ्रष्टाचार मॉडल बनाम निर्माण मॉडल

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,30 मई 2026
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर का जिला चिकित्सालय परिसर उस समय राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बन गया जब प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कोरिया जिले को स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में बड़ी सौगात देने का दावा किया,मंच सजा था, नारियल फूट रहे थे, फीते कट रहे थे,शिलापट्ट चमक रहे थे और भाषणों में विकास के साथ-साथ राजनीतिक व्यंग्य की धार भी खुलकर बह रही थी। कार्यक्रम में नवीन शासकीय नर्सिंग कॉलेज का भूमिपूजन और अटल आरोग्य लैब का शुभारंभ हुआ, लेकिन इस पूरे आयोजन की सबसे बड़ी दवा वह बयान बना जिसमें स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस शासनकाल को भ्रष्टाचार का कालखंड बताते हुए कहा कि उस समय केवल फीते काटे जाते थे, शिलान्यास होते थे, लेकिन निर्माण कार्य अधूरे रह जाते थे।

मंत्री के भाषण का अंदाज ऐसा था मानो वे किसी राजनीतिक एक्स-रे मशीन से पिछली सरकार की

हड्डियां जांच रहे हों,उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में योजनाओं की नींव रखी जाती थी,लेकिन उन योजनाओं का भविष्य अक्सर अधूरा रह जाता था, कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण पैसों का अभाव बना रहता था,जनता के सामने यह संदेश देने की कोशिश की गई कि वर्तमान सरकार केवल पत्थर लगाने नहीं,इमारत खड़ी करने आई है, स्वास्थ्य मंत्री ने मंच से कहा कि वर्तमान में प्रदेश में विष्णुदेव साय की सरकार है और यह सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में पैसों की कमी नहीं आने दे रही। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि किसी कार्य के लिए 10 रुपये की जरूरत होती है तो सरकार 15 रुपये देने को तैयार है ताकि काम बीच रास्ते में दम न तोड़ दे। राजनीतिक गलियारों में इस बयान को कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला माना जा रहा है,हालांकि जनता के मन में सवाल यह भी तैर रहा था कि सरकारी योजनाओं में अतिरिक्त पैसा विकास में जाएगा या फिर वही पुरानी बीमारी–कमीशन,ठेके और फाइलों की सुस्ती–इलाज को फिर से आईसीयू में पहुंचा देगी।

सरडी गांव में बनेगा तीन मंजिला नर्सिंग कॉलेज

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गई कि कोरिया जिले के सरडी गांव में नवीन शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय का निर्माण किया जाएगा,यह भवन तीन मंजिला होगा और इसे एक वर्ष के भीतर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है,मंच से यह घोषणा होते ही तालियां जरूर बजीं,लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों का इतिहास देखने वाले लोगों के चेहरे पर हल्की मुस्कान भी दिखाई दी, क्योंकि प्रदेश में ऐसे कई भवन हैं जिनके शिलान्यास पत्थर पर तारीख पुरानी हो चुकी है लेकिन निर्माण कार्य अब भी भविष्य की प्रतीक्षा में है, स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माण एजेंसी को मंच से ही सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय का निर्माण कार्य 31 मई 2027 तक हर हाल में पूरा हो जाना चाहिए, उन्होंने यह भी कहा कि जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करवाया जाएगा, हालांकि सरकारी विभागों में समय-सीमा का इतिहास भी बड़ा दिलचस्प रहा है, यहां एक वर्ष का मतलब कई बार कैलेंडर के हिसाब से नहीं,फाइलों की गति के हिसाब से तय होता है।

जनता को अब पत्थर नहीं,परिणाम चाहिए

कोरिया जिले को मिली ये परियोजनाएं निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं,यदि नर्सिंग कॉलेज समय पर बनता है,अटल आरोग्य लैब सुचारू रूप से चलती है और जिला चिकित्सालय पूरी क्षमता से काम करता है तो यह क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि होगी,इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी बल्कि स्थानीय युवाओं को स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर भी मिलेंगे,लेकिन जनता अब केवल शिलापट्टों से प्रभावित नहीं होती,उसे अब उद्घाटन मंचों की चमक से ज्यादा अस्पताल की वास्तविक स्थिति दिखाई देती है,उसे पता है कि विकास का असली मतलब भाषण नहीं बल्कि इलाज है,मरीज के लिए सबसे बड़ी राजनीति यह है कि उसे समय पर डॉक्टर मिल जाए,जांच हो जाए और दवा उपलब्ध हो जाए,फिलहाल बैकुंठपुर में स्वास्थ्य योजनाओं का बड़ा उद्घाटन हो चुका है। मंच से बड़े दावे किए गए हैं। राजनीतिक तीर भी छोड़े जा चुके हैं,अब नजर इस बात पर रहेगी कि आने वाले महीनों में ये घोषणाएं जमीन पर कितनी स्वस्थ साबित होती हैं और कितनी फिर से सरकारी फाइलों के वार्ड में भर्ती हो जाती हैं।

विधायक ने मांगा डेंटल कॉलेज और एम्स जैसी सुविधा

कार्यक्रम के दौरान बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े ने भी जिले की कई मांगें स्वास्थ्य मंत्री के सामने रखीं,उन्होंने डेंटल कॉलेज और एम्स जैसी सुविधाओं की मांग करते हुए कहा कि कोरिया जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है,साथ ही उन्होंने यह जानकारी भी दी कि सकरिया और मुरमा में दो नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है,मंच पर मांग और आश्वासन का यह सिलसिला राजनीति का स्थायी हिस्सा माना जाता है,जनता हर बार तालियां बजाती है और फिर वर्षों तक इंतजार करती है कि घोषणा धरातल पर उतरती है या नहीं।

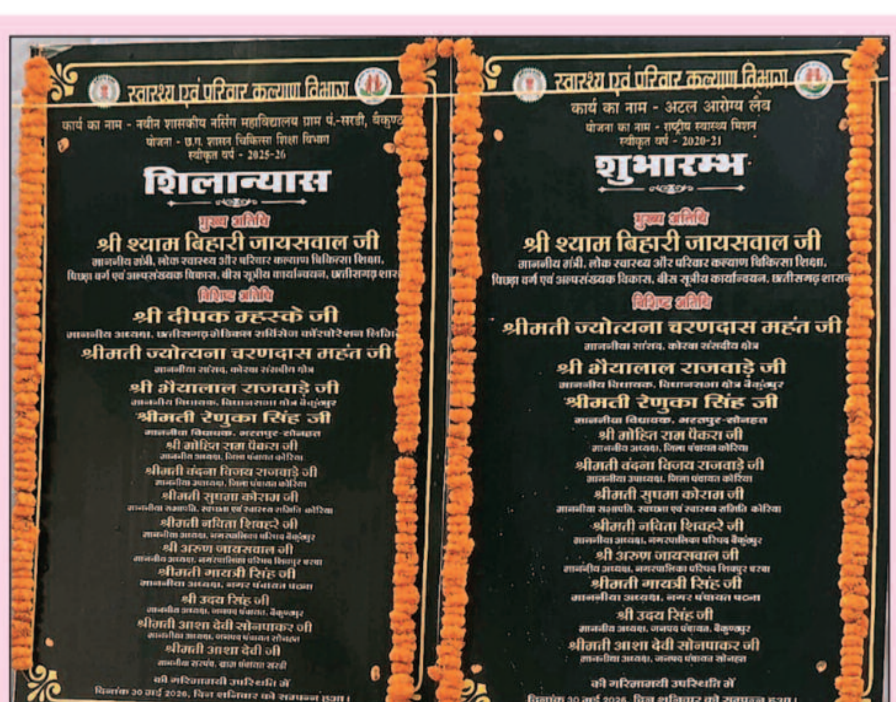

अटल आरोग्य लैब अब रिपोर्ट मोबाइल पर भी...

कार्यक्रम का दूसरा बड़ा आकर्षण अटल आरोग्य लैब का शुभारंभ रहा। मंच से बताया गया कि यहां 136 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी,जांच रिपोर्ट सीधे डॉक्टरों तक पहुंचेगी और मरीजों के मोबाइल पर भी उपलब्ध होगी,यह घोषणा सुनकर कई लोग प्रभावित नजर आए क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक जांच रिपोर्ट पाने के लिए मरीजों को कई बार अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते रहे हैं,जानकारी दी गई कि जिला अस्पतालों में 136 प्रकार की जांचें, सिविल अस्पतालों में 111, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 75 और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 64 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी,सुनने में यह व्यवस्था किसी निजी कॉर्पोरेट अस्पताल जैसी लगती है,लेकिन जनता जानती है कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मशीनें पहुंच जाना ही पर्याप्त नहीं होता,असली परीक्षा तब शुरू होती है जब मशीनों को चलाने वाला स्टाफ चाहिए, मेंटेनेंस चाहिए और सबसे जरूरी — सिस्टम में जवाबदेही चाहिए,प्रदेश के कई अस्पतालों में करोड़ों की मशीनें धूल खाते हुए देखी गई हैं क्योंकि या तो ऑपरेटर नहीं होते या फिर तकनीकी खराबी महीनों तक फाइलों में इलाज ढूंढती रहती है,ऐसे में जनता की उम्मीदें तो बढ़ी हैं,लेकिन भरोसा अभी परीक्षण की प्रक्रिया में है।

घर-घर पहुंचेगा स्वास्थ्य विभाग,बनेगा हेल्थ डेटा

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने भाषण में एक और बड़ी योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब सरगुजा संभाग के प्रत्येक परिवार तक स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचेगी और हर व्यक्ति का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। सभी लोगों को आभा ऐप से जोड़ा जाएगा और उनका स्वास्थ्य डेटा भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाएगा, उन्होंने बताया कि बस्तर में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत यह अभियान पहले से चल रहा है जहां 37 लाख लोगों में से 24 लाख का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है। सरकार इसे डिजिटल स्वास्थ्य क्रांति के रूप में पेश कर रही है,हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां नेटवर्क तक स्थायी रूप से उपलब्ध नहीं है, वहां डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड की सफलता कितनी व्यावहारिक होगी, यह आने वाला समय बताएगा,कई ग्रामीणों के लिए अभी भी अस्पताल पहुंचना ही बड़ी चुनौती है। ऐसे में मोबाइल आधारित स्वास्थ्य रिकॉर्ड और ऑनलाइन रिपोर्ट व्यवस्था को जमीन पर सफल बनाने के लिए मजबूत तकनीकी नेटवर्क और प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत होगी,वरना यह योजना भी सरकारी प्रस्तुतियों की स्लाइड में चमकती रहेगी और गांवों में लोग अब भी पर्ची लेकर लाइन में खड़े दिखाई देंगे।

अब मरीज नहीं भटकेगा : बड़ा दावा,बड़ी चुनौती

स्वास्थ्य मंत्री ने मंच से यह भी कहा कि अब मरीजों को इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा,उन्होंने दावा किया कि जल्द ही ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी जिससे जिले के लोगों को बाहर जाकर इलाज कराने की जरूरत कम होगी,साथ ही उन्होंने जिले में जल्द एक सर्जन की नियुक्ति की घोषणा भी की, यह बयान निश्चित रूप से राहत देने वाला है क्योंकि कोरिया सहित सरगुजा संभाग के कई जिलों में गंभीर मरीजों को रायपुर, बिलासपुर या अन्य बड़े शहरों में रेफर किया जाना आम बात है,लेकिन वास्तविकता यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी वर्षों से बड़ी समस्या बनी हुई है,कई अस्पतालों में भवन तो बन गए लेकिन डॉक्टर नहीं हैं, कहीं डॉक्टर हैं तो मशीनें नहीं, कहीं मशीनें हैं तो दवाइयां नहीं,और कहीं सब कुछ होने के बावजूद मरीजों को यह कहकर बाहर भेज दिया जाता है कि यहां सुविधा उपलब्ध नहीं है,ऐसे में मरीज नहीं भटकेगा वाला बयान जनता के लिए उम्मीद भी है और परीक्षा भी।

स्वास्थ्य के मंच पर राजनीति का इंजेक्शन

इस पूरे कार्यक्रम में स्वास्थ्य योजनाओं से ज्यादा चर्चा मंत्री के राजनीतिक हमलों की रही, कांग्रेस शासनकाल को फीता कटिंग सरकार बताकर भाजपा सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की कि अब केवल शिलान्यास नहीं बल्कि निर्माण और संचालन भी होगा, हालांकि राजनीति में यह दृश्य नया नहीं है। हर नई सरकार पिछली सरकार के अधूरे कार्यों को भ्रष्टाचार बताती है और अपने नए शिलान्यासों को विकास क्रांति। जनता अब इस राजनीतिक एक्स-रे को समझने लगी है,उसे पता है कि चुनाव के मौसम में हर सड़क विकास मार्ग बन जाती है और हर भवन जनता की ऐतिहासिक सौगात कहलाने लगता है, लेकिन जनता के लिए सबसे बड़ा सवाल अब भी वही है क्या इस बार अस्पताल समय पर बनेंगे? क्या नर्सिंग कॉलेज में पर्याप्त शिक्षक होंगे? क्या डॉक्टर स्थायी रूप से उपलब्ध रहेंगे? क्या गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचेंगी? या फिर कुछ वर्षों बाद कोई नया मंत्री इसी मंच से खड़े होकर फिर कहेगा कि पिछली सरकार केवल शिलान्यास कर गई थी?

बिजली विभाग से विधानसभा तक,क्या कोरिया में 'एमडी ऊर्जा' खोज रही भाजपा नई पावर?

हाई वोल्टेज राजनीति में क्या बिजली विभाग के साहब कोरिया में जोड़ रहे हैं विधानसभा का कनेक्शन?

- करंट वाली राजनीति में कोरिया में साहब का बढ़ता प्रेम क्या चुनावी संकेत?
- ससुराल से सत्ता तक : बैकुंठपुर में नई राजनीतिक वायरिंग की चर्चा
- बिजली के साहब की राजनीतिक चमक,क्या 2028 में मैदान में उतरेंगी धर्मपत्नी?
- हाई वोल्टेज एंट्री की तैयारी? कोरिया में बढ़ी बड़े अफसर की राजनीतिक सक्रियता
- मूर्ति अनावरण से भागवत कथा तक,क्या कोरिया में तैयार हो रही चुनावी पटकथा?
- सरकारी मंच या चुनावी लॉन्चिंग पैड? कोरिया में साहब की सक्रियता चर्चा में
- बिजली बिल माफी से वोट कनेक्शन तक, कोरिया में नई ऊर्जा की हलचल
- पहले बिजली जोड़ते थे साहब,अब वोट का कनेक्शन जोड़ने की तैयारी!
- भागवत कथा के बहाने सत्ता कथा? कोरिया में हाई वोल्टेज चर्चा
- मीटर रीडिंग से वोट रीडिंग तक पहुंची साहब की राजनीति
- ससुराल से शुरू हुआ संबंध अब राजनीति तक पहुंचने की चर्चा में...

-रवि सिंह-

कोरिया,30 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले की राजनीति इन दिनों किसी सामान्य राजनीतिक गतिविधि से ज्यादा हाई वोल्टेज प्रयोग में बदलती दिखाई दे रही है, जिले के चौराहों, सरकारी दफ्तरों,भाजपा कार्यालयों और यहां तक कि चाय दुकानों में भी एक ही चर्चा है क्या प्रदेश के बिजली विभाग के एक बड़े अधिकारी अब कोरिया की राजनीति में अपनी नई ऊर्जा प्रवाहित करने की तैयारी कर चुके हैं? और क्या उनकी धर्मपत्नी 2028 विधानसभा चुनाव में भाजपा की संभावित महिला प्रत्याशी बन सकती हैं? राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा अचानक पैदा नहीं हुई, पिछले एक साल से जिले में जिस तरह से साहब का सपत्नीक आना-जाना बढ़ा है, धार्मिक आयोजनों में सक्रियता दिखाई दी है, मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में मंच साझा हुआ है और सामाजिक संपर्क बढ़ाए गए हैं, उसने इस चर्चा को धीरे-धीरे अफवाह से राजनीतिक संभावना में बदल दिया है, अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया कि साहब कोरिया क्यों आ रहे हैं, बल्कि सवाल यह बन गया है कि आखिर कोरिया से इतना प्रेम क्यों उमड़ रहा है?

बिजली विभाग से राजनीति तक, आखिर क्या है नई ऊर्जा का राज?- प्रदेश के बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को लेकर चर्चा है कि वह खुद चुनावी मैदान में उतरें या न उतरें,लेकिन अपनी धर्मपत्नी को भाजपा से चुनाव लड़ाने की तैयारी में हैं, कहा जा रहा है कि बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र को लेकर पिछले एक साल से जमीन तैयार की जा रही है, व्यंग्यात्मक रूप से लोग कहने लगे हैं कि साहब अब ट्रांसफार्मर कम और राजनीतिक समीकरण ज्यादा फिट कर रहे हैं, दरअसल राजनीति में अचानक सक्रियता का यह पैटर्न नया नहीं है, पहले सामाजिक कार्यक्रम, फिर धार्मिक आयोजन, फिर जनता के बीच संपर्क और उसके बाद राजनीतिक चर्चा यह वही फार्मूला है जिससे कई नए चेहरे राजनीति में उतरते रहे हैं, कोरिया जिले में भी कुछ ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में बढ़ी मौजूदगी ने बढ़ाई चर्चाएं- जिले में हाल ही में हुए कई कार्यक्रमों में साहब और उनकी धर्मपत्नी की मौजूदगी ने चर्चाओं को और हवा दे दी, मूर्ति अनावरण कार्यक्रम हो, खेल आयोजन हो या बिजली बिल माफी से जुड़ा सरकारी कार्यक्रम–हर जगह उनकी सक्रिय भागीदारी लोगों को राजनीतिक संकेत देती नजर आई, हालांकि आधिकारिक रूप से इन कार्यक्रमों को सामाजिक और पारिवारिक स्वरूप का बताया गया, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे मंचों के जरिए जनता के बीच पहचान मजबूत करने की कोशिश की जा रही है, विशेष रूप से उस समय चर्चाएं तेज हो गई जब बिजली विभाग के कार्यक्रम में साहब की धर्मपत्नी सरकारी मंच पर दिखाई दीं। इसके बाद विभाग के भीतर ही यह चर्चा शुरू हो गई कि अब बिजली सप्लाई के साथ राजनीतिक सप्लाई की तैयारी भी चल रही है।

> **ससुराल का राजनीतिक नेटवर्क बना सबसे बड़ी ताकत-**
>
> साहब की संभावित राजनीतिक रणनीति में सबसे बड़ी ताकत उनकी ससुराल को माना जा रहा है, जिले में उनके ससुराल पक्ष का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव पहले से मौजूद है, यही नेटवर्क भविष्य की राजनीति की जमीन तैयार करने में मददगार माना जा रहा है, भारतीय राजनीति में रिश्तेदारी हमेशा से बड़ा फैक्टर रही है, कई नेताओं का पूरा राजनीतिक करियर परिवार और रिश्तों के सहारे खड़ा हुआ है, ऐसे में कोरिया में भी यही मॉडल दोहराने की संभावना जताई जा रही है, लोग मजाक में कहते नजर आ रहे हैं राजनीति में अब संगठन से ज्यादा मजबूत ससुराल चाहिए।
>
> **बिजली विभाग में भी शुरू हुई चुनावी फुसफुसाहट-**
>
> सबसे दिलचस्प स्थिति बिजली विभाग के भीतर दिखाई दे रही है, विभाग के कर्मचारियों के बीच अब फाइलों से ज्यादा राजनीति की चर्चा होने लगी है। कर्मचारी मजाक में कहते हैं कि पहले साहब बिजली के फॉल्ट देखते थे, अब विधानसभा सीट का सर्वे देख रहे हैं, कुछ कर्मचारी यह भी कहते सुनाई दे रहे हैं कि विभागीय दौरे अब सिर्फ निरीक्षण नहीं, बल्कि राजनीतिक निरीक्षण जैसे लगने लगे हैं, हालांकि विभागीय स्तर पर कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं है।

भागवत कथा या राजनीतिक कथा?-कोरिया जिले में प्रस्तावित भव्य भागवत कथा आयोजन ने भी राजनीतिक हलकों में नई हलचल पैदा कर दी, चर्चा थी कि इस आयोजन में मुख्यमंत्री का आगमन भी हो सकता है, हालांकि फिलहाल आयोजन टल गया है, लेकिन जिले में लोग इसे सिर्फ धार्मिक आयोजन मानने को तैयार नहीं हैं, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि धार्मिक आयोजनों के जरिए सामाजिक स्वीकार्यता और जनसंपर्क मजबूत करने की कोशिश लंबे समय से राजनीति का हिस्सा रही है, कथा के मंच पर जहां श्रद्धालु जुटते हैं,वहीं राजनीतिक समीकरण भी चुपचाप तैयार होते हैं, जिले में लोग व्यंग्य करते हुए कह रहे हैं पहले कथा में मोक्ष मिलता था, अब टिकट की संभावना भी मिलने लगी है।

भाजपा के पुराने नेताओं की बढ़ी बेचैनी- इस पूरी चर्चा से भाजपा के स्थानीय नेताओं और पुराने कार्यकर्ताओं में बेचैनी साफ दिखाई देने लगी है, वर्षों से संगठन में मेहनत कर रहे कार्यकर्ताओं को अब डर सताने लगा है कि कहीं चुनाव के समय कोई पैराशूट प्रत्याशी ऊपर से न उतार दिया जाए,राजनीति में सबसे बड़ा झटका चुनाव हारने का नहीं,बल्कि टिकट कटने का माना जाता है, यही कारण है कि जिले के कई पुराने नेता अचानक ज्यादा सक्रिय हो गए हैं, कोई मंदिरों में दिख रहा है, कोई सामाजिक कार्यक्रमों में,तो कोई जनता से संपर्क बढ़ाने में जुट गया है, भाजपा के भीतर भी यह चर्चा है कि पार्टी अगले चुनाव में महिला चेहरा सामने ला सकती है, बैकुंठपुर विधानसभा में भाजपा के पास मजबूत महिला नेतृत्व की कमी लंबे समय से महसूस की जाती रही है, ऐसे में प्रभावशाली और आर्थिक रूप से मजबूत परिवार से आने वाला नया चेहरा पार्टी के लिए विकल्प बन सकता है।

आर्थिक ताकत और सत्ता से जुड़ाव बना बड़ी चर्चा का कारण-राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले चुनाव बेहद खर्चीले होंगे, ऐसे में भाजपा ऐसे उम्मीदवारों की तलाश कर सकती है जो आर्थिक रूप से मजबूत हों और संगठन व सत्ता दोनों से अच्छे संबंध रखते हों, साहब की संघ से नजदीकी और मुख्यमंत्री के विभाग से जुड़ाव को भी संभावित राजनीतिक ताकत के रूप में देखा जा रहा है, भाजपा की राजनीति में संगठन और सत्ता दोनों से समीकरण होना टिकट की राह आसान बना सकता है, यही कारण है कि स्थानीय स्तर पर चर्चा और अटकलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

जनता पूछ रही—बिजली सुधरेगी या राजनीति चमकेगी?-इस पूरी राजनीतिक चर्चा के बीच आम जनता अपनी समस्याओं को लेकर भी व्यंग्य करने लगी है, गांवों में लोग पूछ रहे हैं हमारे गांव की बिजली तो ठीक नहीं हो पाई,लेकिन साहब की राजनीति जरूर चमकने लगी है,कोरिया जिले में आज भी कई इलाकों में बिजली,सड़क,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। लेकिन इन मुद्दों से ज्यादा चर्चा अब संभावित प्रत्याशियों और राजनीतिक रणनीतियों की हो रही है।

2028 की तैयारी या सिर्फ राजनीतिक अफवाह?-फिलहाल पूरे मामले में न तो साहब की तरफ से कोई बयान आया है और न भाजपा ने किसी प्रकार की पुष्टि की है,लेकिन राजनीति में अक्सर वही बातें सच साबित होती हैं जिन्हें शुरुआत में सिर्फ चर्चा कहा जाता है, कोरिया जिले में अभी से 2028 विधानसभा चुनाव की आहट महसूस होने लगी है, और इस बार यह आहट किसी नेता के भाषण से नहीं, बल्कि एक वरिष्ठ अधिकारी की बढ़ती सक्रियता से सुनाई दे रही है, अब आने वाला समय बताएगा कि यह सब केवल संयोग है, सामाजिक जुड़ाव है या सचमुच भाजपा की नई चुनावी रणनीति का हिस्सा, लेकिन फिलहाल कोरिया की राजनीति में इतना जरूर कहा जा रहा है इस बार विधानसभा चुनाव में करंट थोड़ा ज्यादा तेज रहने वाला है।

कटोरा पंचायत में हैंडपंप का जल खेल,मंदिर,राशन दुकान और सड़क छोड़ सीधे पहुंचा निजी खेतों में पानी

शासकीय योजना या निजी सिंचाई मिशन? कटोरा पंचायत में हैंडपंप खनन पर उठे गंभीर सवाल...

जहां योजना सरकारी लेकिन पानी निजी खेतों में

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया 30 मई 2026 (घटती-घटना)। कटोरा ग्राम पंचायत में शासकीय हैंडपंप खनन कार्य को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में स्वीकृत सरकारी हैंडपंप योजनाओं को लगातार प्रस्तावित सार्वजनिक स्थलों से हटाकर निजी खेतों में स्थापित कराया जा रहा है, अब यह मामला केवल एक हैंडपंप तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरे पंचायत तंत्र की कार्यप्रणाली और योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठाने लगा है।

सड़क किनारे होना था हैंडपंप, पहुंच गया निजी पट्टे की जमीन में- शिकायतकर्ता भाजपा जिला मंत्री व पूर्व सरपंच नंदिनी, महिला मोर्चा मंडल पटना अध्यक्ष चंद्रकाली,भाजयुमो पटना मंडल महामंत्री तीरथ दास एवं ग्रामीणों के शिकायत अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण मद से स्वीकृत हैंडपंप खनन कार्य विजय राजवाड़े के खेत के पास सड़क किनारे प्रस्तावित था,लेकिन आरोप है कि कार्य को बदलकर सीधे विजय राजवाड़े की निजी पट्टे की जमीन में करा दिया गया, ग्रामीणों ने जब मौके पर पहुंचकर विरोध किया और काम रुकवाया,तब ग्राम पंचायत सचिव आशिष कुमार रजवाड़े द्वारा कथित रूप से आदेश की प्रति दिखाते हुए बताया गया कि हैंडपंप शासकीय भूमि में होना है, लेकिन कुछ समय बाद सरपंच अनीता सिंह और उनके पति बृज कुमार प्रजापति द्वारा दोबारा खनन कार्य शुरू करा दिया गया और कहा गया कि 'यह प्राइवेट खनन है, अब सवाल यही उठ रहा है कि अगर खनन निजी था तो शासकीय आदेश क्यों दिखाया गया? और अगर सरकारी था तो निजी भूमि में कैसे शुरू हो गया?

> **कटोरा में पानी से ज्यादा गहरा हो गया रहस्य**
>
> ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में सरकारी योजनाओं का लोकेशन ट्रांसफर मॉडल चल रहा है, कागजों में हैंडपंप सार्वजनिक स्थानों के लिए स्वीकृत होते हैं, लेकिन जमीन पर पहुंचते-पहुंचते उनका रास्ता बदल जाता है,ग्रामीणों ने पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर कोरिया,जिला पंचायत और जनपद पंचायत को लिखित रूप से सौंप दी है। अब जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि आखिर सरकारी योजना निजी सुविधा कैसे बनती जा रही है।
>
> **पहले भी लग चुके हैं ऐसे आरोप**
>
> यह पहला मामला नहीं है ग्रामीणों ने पुराने मामलों का हवाला देते हुए बताया कि आदेश क्रमांक 52 दिनांक 24 जनवरी 2024 के तहत जिला खनिज न्यास संस्थान मद से चेतन राम के घर के पास मंदिर प्रांगण में हैंडपंप खनन की प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी,लेकिन आरोप है कि हैंडपंप मंदिर प्रांगण में लगने के बजाय लगभग 2 किलोमीटर दूर निजी खेत में खनन करा दिया गया, उस समय क्षेत्रीय विधायक भैयालाल रजवाड़े द्वारा जांच और राशि वसूली का आश्वासन भी दिया गया था,लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आज तक मंदिर प्रांगण में हैंडपंप नहीं लग पाया।
>
> **राशन दुकान की जगह निजी खेत में पानी**
>
> ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब एक माह पूर्व उचित मूल्य दुकान के पास स्वीकृत हैंडपंप को भी सुभाषचंद्र राजवाड़े द्वारा लगभग 2 किलोमीटर दूर निजी भूमि में स्थापित करा लिया गया, इसमें भी सरपंच की मिलीभगत का आरोप लगाया जा रहा है, शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

> **ग्रामीणों का सवाल योजनाएं जनता के लिए या चुनिंदा लोगों के लिए?-**
>
> गांव में अब चर्चा यह है कि आखिर सरकारी योजनाओं का असली लाभ किसे मिल रहा है? ग्रामीणों का कहना है कि अगर सार्वजनिक स्थानों के लिए स्वीकृत योजनाएं लगातार निजी खेतों में पहुंच रही हैं,तो यह केवल अनियमितता नहीं बल्कि योजनाओं के दुरुपयोग का गंभीर मामला है,कुछ ग्रामीण व्यंग्य में कहते नजर आए कटोरा पंचायत में पानी वहां निकलता है,जहां सत्ता का खेत होता है।

> **जांच के बाद खुलेगी असली तस्वीर**
>
> अब पूरा मामला प्रशासनिक जांच पर टिका हुआ है, यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो पंचायत स्तर पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है, वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में भी शासकीय योजनाओं का इसी तरह निजीकरण होता रहेगा, कटोरा पंचायत का यह मामला अब केवल हैंडपंप का नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही की परीक्षा बन चुका है।

बैकुंठपुर यूको बैंक में लोन,लेन-देन और 'सेटलमेंट मॉडल' का ऐसा खेल कि थाने तक पहुंचकर भी मामला मैनेज भी हो गया

पहले लोन बांटो,फिर एनओसी देकर मामला दबाओ... बैकुंठपुर यूको बैंक में 'मैनेजमेंट मॉडल' पर सवाल...

मुद्रा लोन या मैनेजमेंट स्कीम? बैकुंठपुर यूको बैंक में युवाओं के नाम पर खेल और फिर सेटलमेंट

थाने पहुंचा यूको बैंक लोन विवाद,फिर शिकायत वापस,क्या पैसा लौटाओ और बच जाओ मॉडल चल रहा है?

युवाओं के नाम पर लोन,दूसरों के हाथ में पैसा... बैकुंठपुर यूको बैंक विवाद ने खोली सिस्टम की पोल...

लोन घोटाला या समझौता उद्योग? बैकुंठपुर यूको बैंक में एनओसी के पीछे छिपे बड़े सवाल

मुद्रा लोन से 'मैनेज लोन' तक...यूको बैंक बैकुंठपुर में छुट्टी,ट्रांसफर और सेटलमेंट की कहानी...

पहले कर्जदार बनाओ,फिर शिकायत वापस करवाओ...यूको बैंक विवाद में उठे गंभीर सवाल

लोन, लेन-देन और लीपापोती...बैकुंठपुर यूको बैंक विवाद में आखिर जिम्मेदार कौन?

शिकायतें हुईं,खबरें छपीं...फिर अचानक लोन बंद और एनओसी वितरण शुरू

मैनेजर,भाई और कथित एजेंट नेटवर्क की चर्चाओं से गर्म हुआ मामला

थाने तक पहुंचा विवाद,लेकिन कार्रवाई से ज्यादा 'सेटलमेंट' पर जोर

छुट्टी,ट्रांसफर और चुप्पी...क्या सिस्टम फिर जिम्मेदारी से बच निकला?

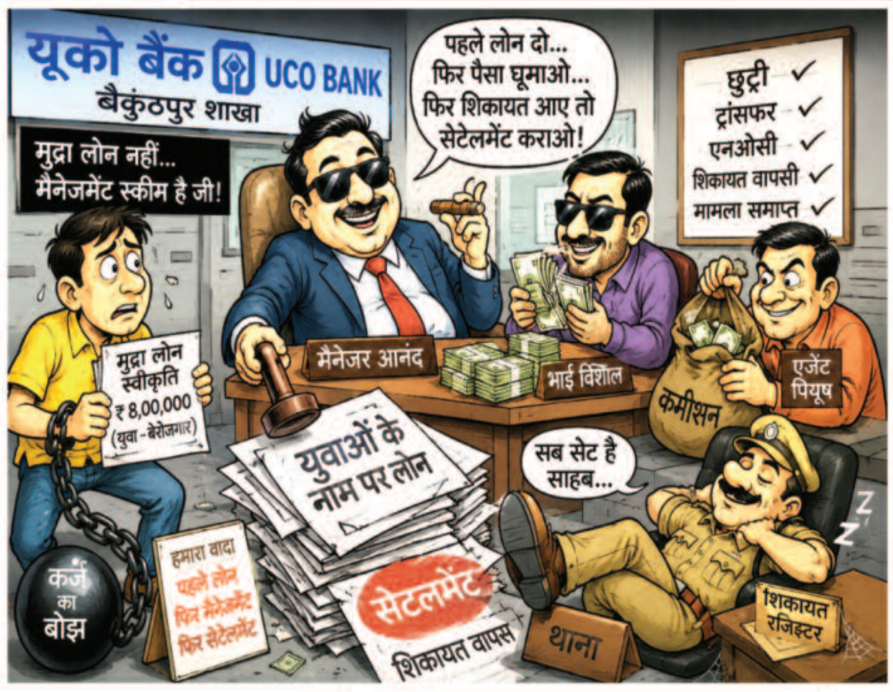

घटती घटना
कोरिया- सूरजपुर समाचार
अम्बिकापुर, गुरूवार 29 जनवरी 2026
5
युवाओं को मोहरा बनाकर लाखों का कर्ज
यूको बैंक बैकुंठपुर में बड़ा लोन घोटाला
18-21 साल के युवा बने कर्जदार,पैसा उड़ा ले गए दूसरे
नाम युवाओं का,कर्ज बैंक का, इस्तेमाल किया किसी और ने
पढ़ने की उम्र में कर्ज का बोझ, नोटिस ने खोली लोन की परत
यूको बैंक मुद्रा लोन में बड़ा खेल, कई युवक फंसे करोड़ों के कर्ज में
एजेंट पीयूष और भाई विशाल की भूमिका पर सवाल
बड़े सवाल जिनके जवाब बाकी
क्या युवाओं को कर्ज के दलदल में धकेल दिया जाएगा?
जिन पैसों का उपयोग उन्होंने किया ही नहीं, क्या उसकी वसूली उनसे होगी?
अथर्व प्रकरण से खुली पूरी परत
युवाओं का भविष्य गिरवी बैंकिंग सिस्टम कटघरे में!
यूको बैंक लोन घोटाले में नया धमाका...

-रवि सिंह-

कोरिया 30 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के बैकुंठपुर में स्थित यूको बैंक की शाखा इन दिनों बैंकिंग कम और व्यंग्य का राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र ज्यादा दिखाई देने लगी है,यहां कथित तौर पर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर मुद्रा लोन बांटे गए, लेकिन अब जो परतें खुल रही हैं, उससे लगने लगा है कि यह मुद्रा योजना कम और पहले लोन निकालो, फिर मामला संभालो योजना ज्यादा थी,कहते हैं बैंक भरोसे पर चलते हैं, लेकिन बैकुंठपुर का यह मामला अब इस सवाल पर टिक गया है कि आखिर भरोसा किस पर किया जाए बैंक पर, सिस्टम पर, पुलिस पर या उस एनओसी पर जो शिकायत वापस लेने के बाद हाथ में थमा दी जाती है? पूरा मामला अब जिले में उसी तरह चर्चा का विषय बन चुका है जैसे गांव की चौपाल में पुरानी चोरी की कहानी फर्क बस इतना है कि यहां कथित चोरी में ताला नहीं टूटा, सीधे युवाओं के भविष्य टूटते दिखाई दिए।

रोजगार का सपना दिखा,कर्ज का बोझ मिला

बताया जा रहा है कि कई युवाओं को स्वरोजगार और व्यवसाय शुरू करने के नाम पर भारी-भरकम मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए,इनमें ऐसे युवा भी शामिल बताए जा रहे हैं जिनकी नियमित आय तक नहीं थी,कोई दिहाड़ी पर काम करता था,कोई छोटा-मोटा रोजगार करता था,कोई खुद यह नहीं समझ पा रहा था कि बैंक आखिर उसे इतना 'विश्वास' कैसे दे रहा है,जिन युवाओं की रोजाना आमदनी 400-500 रुपये से ज्यादा नहीं थी,उनके नाम पर लाखों रुपये तक का लोन स्वीकृत हो गया,अब लोग तंज कस रहे हैं कि शायद बैकुंठपुर शाखा में कोई ऐसी मशीन लगी थी जो बेरोजगार युवाओं को 'भविष्य का उद्योगपति' घोषित कर देती थी, बैंकिंग नियम कहते हैं कि लोन देने से पहले ग्राहक की आय, व्यवसाय, पुनर्भुगतान क्षमता, दस्तावेज और जोखिम का मूल्यांकन जरूरी होता है, लेकिन यहां जो आरोप सामने आए, वे बताते हैं कि शायद नियमों को छुट्टी पर भेजकर सिर्फ फाइलों को दौड़ाया गया।

मैनेजर,भाई और एजेंट.... बैंकिंग या पारिवारिक साझेदारी?

पूरा विवाद लगातार तत्कालीन शाखा प्रबंधक आनंद, उनके भाई विशाल और कथित एजेंट पियूष के इर्द-गिर्द घूमता रहा, आरोप यह हैं कि युवाओं को लोन दिलाने के नाम पर पूरा नेटवर्क काम कर रहा था,स्थानीय चर्चाओं में यह तक कहा जाने लगा कि बैंक शाखा किसी सरकारी संस्था से ज्यादा 'फैमिली एंटरप्राइज' बन गई थी,जहां ग्राहक कम और 'मैनेजमेंट' ज्यादा दिखाई देता था, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी जांच एजेंसी ने नहीं की है,लेकिन शिकायतकर्ताओं के दावों ने पूरे मामले को बेहद गंभीर बना दिया, कई युवाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं थी कि उनके नाम पर कितनी राशि निकाली गई, पैसा कहां गया और किसने इस्तेमाल किया,सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि कुछ खातों में मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी तक कथित तौर पर बदल दिए गए थे,यानी जिस खाते का मालिक युवा था,उस खाते की सूचना किसी और के मोबाइल पर जा रही थी,अब लोग पूछ रहे हैं अगर ग्राहक को अपने खाते की जानकारी ही न मिले,तो फिर बैंकिंग हो रही थी या रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन?

यूको बैंक लोन घोटाले में नया धमाका....
युवा कर्जदार बने...ऐश-आराम बैंक मैनेजर-एजेंट ने किये
युवाओं को मोहरा बनाकर लाखों का लोन घोटाला!

मुद्रा लोन के नाम पर खेल या सिस्टम की चुप्पी ?
यूको बैंक बैकुंठपुर में मैनेजर आनंद

युवाओं का भविष्य गिरवी बैंकिंग सिस्टम कटघरे में!

मामला मीडिया में आया तो अचानक 'सिस्टम जागा'

चार महीने तक जिन युवाओं की कोई सुनवाई नहीं हुई, जिनके नाम पर लोन चलता रहा,जिनके ऊपर रिकवरी का खतरा मंडराता रहा वही मामले अचानक तब तेज़ी से सुलझने लगे जब खबरें मीडिया में आने लगीं और शिकायतें थाने तक पहुंच गईं,यानी बैंकिंग सिस्टम को ग्राहक की परेशानी से नहीं, खबर छपने से फर्क पड़ा, सूत्रों के अनुसार,शिकायतें बढ़ने के बाद कई लोन खातों में अचानक रकम जमा हुई, कुछ युवाओं को एनओसी दी गई और थाने में की गई शिकायतें वापस लेने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई, अब जिले में लोग यही कह रहे हैं यहां न्याय नहीं, 'सेटलमेंट' हुआ है।

पहले चोरी करो, फिर सामान लौटाओ' मॉडल?

पूरे मामले का सबसे बड़ा व्यंग्य यही बन गया है कि यदि किसी कथित गड़बड़ी में पैसा वापस जमा हो जाए और शिकायतकर्ता को एनओसी मिल जाए, तो क्या पूरा मामला खत्म माना जाएगा? यदि यही नियम है,तो फिर कानून की किताबों में नया अध्याय जोड़ देना चाहिए धाराः पहले पैसा घुमाओ, पकड़े जाओ तो वापस कर दो,लोग पूछ रहे हैं कि अगर शुरुआत से सब कुछ वैध था,तो फिर अचानक इतनी हड़बड़ी में लोन बंद क्यों किए गए? शिकायतें वापस लेने की जरूरत क्यों पड़ी? और अगर गलती हुई थी, तो फिर सिर्फ पैसा लौटाना ही पर्याप्त कार्रवाई कैसे हो सकती है? यह सवाल इसलिए भी बड़ा है क्योंकि मामला सिर्फ रकम का नहीं, युवाओं के भविष्य का है, किसी भी व्यक्ति के नाम पर गलत तरीके से लोन चलना उसके सिबिल स्कोर, बैंकिंग इतिहास और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है।

थाने तक पहुंचा मामला,लेकिन कार्रवाई कहां गई?

इस पूरे विवाद का सबसे दिलचस्प और चिंताजनक हिस्सा पुलिस की भूमिका को लेकर उठ रहे सवाल हैं,जब शिकायत थाने पहुंची, तब कथित तौर पर समाधान प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन अब शिकायत वापस लेने के बाद मामला ठंडा पड़ता दिखाई दे रहा है,यानी जनता के बीच यह संदेश जा रहा है कि यदि कोई मामला मैनेज हो जाए,तो कानूनी कार्रवाई भी फाइलों में सो सकती है,स्थानीय लोग अब तंज कस रहे हैं कि बैकुंठपुर में थाना भी शायद समझौता केंद्र बन चुका है, जहां गंभीर आर्थिक शिकायतें भी बातचीत और सेटलमेंट के बाद शांत हो जाती हैं,सबसे बड़ा सवाल यही है क्या किसी संभावित बैंकिंग अनियमितता में सिर्फ शिकायत वापसी ही पर्याप्त है? क्या पुलिस को स्वतंत्र जांच नहीं करनी चाहिए थी? क्या बैंक प्रबंधन की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

छुट्टी,ट्रांसफर और सिस्टम की पुरानी स्क्रिप्ट

मामले में एक और दिलचस्प मोड़ तब आया जब तत्कालीन शाखा प्रबंधक आनंद लंबी छुट्टी पर चले गए और फिर उनका स्थानांतरण रायपुर हो गया,तब यह चर्चा पूरे जिले में चल रही है कि क्या यह सिर्फ संयोग था या फिर भारतीय सिस्टम की वही पुरानी पटकथा मामला गर्म हो तो छुट्टी ले लो,फिर ट्रांसफर हो जाओ,लोगों का कहना है कि जैसे ही कोई विवाद बड़ा होता है,अधिकारी मेडिकल कारणों,छुट्टी या ट्रांसफर की ढाल लेकर धीरे-धीरे मामले से दूरी बना लेते हैं,फिर जांच फाइलों में घूमती रहती है और जनता दूसरी खबरों में उलझ जाती है।

रिकवरी टीम आई या दबाव टीम?

सूत्रों के मुताबिक बैंक मुख्यालय से एक अधिकारी शाखा पहुंचा था, लेकिन शिकायतकर्ताओं का दावा है कि वह जांच से ज्यादा रिकवरी पर ध्यान देता दिखाई दिया,युवाओं का कहना है कि जब वे खुद को पीड़ित बता रहे थे,तब उनसे ही वसूली की बात की जा रही थी,यह वही स्थिति है जहां सिस्टम पीड़ित और आरोपी के बीच फर्क करना भूल जाता है, बैंक शायद यह तय नहीं कर पा रहा था कि सामने बैठा युवा ग्राहक है,गवाह है या फिर वही व्यक्ति जिससे हर हाल में पैसा निकलवाना है।

महिला अधिकारी से नजदीकियों की चर्चा और बढ़ते सवाल-मामले में स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज रही कि तत्कालीन प्रबंधक की बैंक के उच्च अधिकारियों तक मजबूत पहुंच थी, यहां तक कि एक वरिष्ठ महिला अधिकारी के साथ करीबी संबंधों की बातें भी चर्चाओं में सामने आईं, हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लोगों का कहना है कि यदि इतने गंभीर आरोपों के बाद भी कार्रवाई धीमी रही,तो सवाल उठना स्वाभाविक है,अब बैंक के गलियारों में लोग मजाक में कह रहे हैं यहां फाइलें नियम से नहीं,रिश्तों से चलती हैं।

सबसे बड़ा नुकसान किसका हुआ?

इस पूरे विवाद में सबसे ज्यादा नुकसान उन युवाओं का हुआ जो रोजगार और आत्मनिर्भरता का सपना लेकर बैंक पहुंचे थे,उन्हें शायद लगा होगा कि सरकार की योजना उनके जीवन को बदल देगी। लेकिन अब कई युवा अपने नाम पर चढ़े कर्ज,खराब होते सिबिल स्कोर और सामाजिक बदनामी के डर में जी रहे हैं, किसी भी गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार के लिए बैंक का नोटिस सिर्फ कागज नहीं होता, वह मानसिक दबाव, सामाजिक तनाव और आर्थिक असुरक्षा का प्रतीक बन जाता है,लेकिन यहां सिस्टम की संवेदनहीनता देखिए जिन युवाओं को सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, वही खुद सफाई देते घूम रहे हैं।

बैंक की साख पर लगा सबसे बड़ा दाग

इस पूरे विवाद ने यूको बैंक की स्थानीय साख को गहरी चोट पहुंचाई है,बैंकिंग व्यवस्था भरोसे पर चलती है, लेकिन जब ग्राहक को यह डर होने लगे कि उसके नाम पर क्या हो रहा है,उसे खुद पता नहीं तब समस्या सिर्फ एक शाखा की नहीं रह जाती, अब लोगों के बीच यह चर्चा होने लगी है कि यदि आरोप सही साबित हुए,तो यह सिर्फ व्यक्तिगत गलती नहीं बल्कि पूरे निगरानी तंत्र की विफलता होगी,और यदि आरोप गलत हैं,तो बैंक को यह बताना होगा कि फिर शिकायतें वापस क्यों हुईं,एनओसी क्यों बांटी गईं और इतनी हड़बड़ी में खातों को 'सुधारने' की जरूरत क्यों पड़ी।

आखिर न्याय होगा या सब 'सेटल' हो जाएगा?

फिलहाल पूरे जिले में एक ही सवाल घूम रहा है क्या यह मामला सचमुच खत्म हो गया है या सिर्फ दबा दिया गया है? क्योंकि शिकायत वापस हो सकती है, लेकिन सवाल वापस नहीं होते, एनओसी बांटी जा सकती है, लेकिन जिम्मेदारी नहीं मिटती, पैसा लौटाया जा सकता है, लेकिन सिस्टम की विश्वसनीयता वापस लाना इतना आसान नहीं होता, बैकुंठपुर का यह मामला अब सिर्फ बैंकिंग विवाद नहीं रह गया है। यह उस व्यवस्था का आईना बन गया है जहां गरीब युवा कर्ज में फंसता है, अधिकारी छुट्टी पर चले जाते हैं, शिकायतें वापस हो जाती हैं और सिस्टम चैन की सांस लेने लगता है, लेकिन जनता अब भी पूछ रही है अगर सब कुछ सही था, तो फिर इतना कुछ गलत क्यों दिखाई दिया?

112 डायल कीजिए...पुलिस अब खुद आपके दरवाजे आएगी

सूरजपुर में पुलिस की नई पहल,गांव-गांव पहुंचकर समझा रहे डायल 112 का मतलब

अब थाना नहीं,पुलिस पहुंचेगी आपके पास

-संवाददाता-

सूरजपुर,30 मई 2026 (घटती-घटना)। डायल 112 सेवा के माध्यम से अब आम लोगों को आपात स्थिति में पुलिस सहायता के लिए थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू की गई इस आधुनिक आपातकालीन सेवा के तहत सूरजपुर जिले में थाना स्तर पर 12 डायल 112 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, जो लोगों की शिकायत और जरूरत पर तुरंत मौके तक पहुंचेंगे, हालांकि सुविधा शुरू हुए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अभी भी कई लोग इस सेवा से पूरी तरह परिचित नहीं हैं, यही वजह है कि सूरजपुर पुलिस अब पुलिसिंग के साथ जनजागरण भी कर रही है।

कोतवाली प्रभारी खुद संभाल रहे जागरूकता की कमान- विमलेश दुबे द्वारा लगातार गांव-गांव और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को डायल 112 सेवा की जानकारी दी जा रही है, पुलिस वाहन के माध्यम से प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को बताया जा रहा है कि अब किसी भी आपात स्थिति चाहे वह सड़क दुर्घटना हो, घरेलू विवाद, मारपीट, चोरी, महिला सुरक्षा या अन्य कोई परेशानी में सिर्फ 112 डायल करने पर पुलिस तुरंत सहायता के लिए पहुंचेगी, लोगों को यह भी समझाया जा रहा है कि कॉल करने के बाद लोकेशन के आधार पर नजदीकी पुलिस वाहन तुरंत रवाना किया जाएगा।

डरिए मत,कॉल कीजिए पुलिस का संदेश

पुलिस अधिकारियों द्वारा लोगों को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि डायल 112 केवल अपराध की सूचना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी संकट की स्थिति में सहायता के लिए है, ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार लोग छोटी घटनाओं में पुलिस को बुलाने से हिचकिचाते हैं,ऐसे में जागरूकता अभियान के जरिए लोगों को यह बताया जा रहा है कि यह सेवा जनता की सुरक्षा और सुविधा के लिए बनाई गई है।

तकनीक से तेज हुई पुलिस व्यवस्था

डायल 112 सेवा को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है, कॉल प्राप्त होते ही कंट्रोल रूम से संबंधित थाना क्षेत्र की गाड़ी को सूचना दी जाती है और लोकेशन ट्रैकिंग के माध्यम से सहायता पहुंचाई जाती है, इस व्यवस्था का उद्देश्य घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देना और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना है।

गांव-गांव प्रचार,ताकि हर व्यक्ति तक पहुंचे जानकारी

सूरजपुर पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न क्षेत्रों में 112 वाहनों को लेकर प्रचार अभियान चलाया जा रहा है, लोगों को वाहन के माध्यम से इसकी उपयोगिता,कॉल करने की प्रक्रिया और आपातकालीन सहायता के तरीके समझाए जा रहे हैं,पुलिस का कहना है कि जब तक हर नागरिक इस सुविधा के बारे में पूरी तरह जागरूक नहीं होगा, तब तक इसका वास्तविक लाभ समाज तक नहीं पहुंच पाएगा।

जनता के लिए बड़ी राहत

डायल 112 सेवा को ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, पहले जहां कई बार मदद पहुंचने में देर हो जाती थी,वहीं अब एक फोन कॉल पर पुलिस सहायता उपलब्ध हो सकेगी,सूरजपुर पुलिस की यह पहल केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि जनता और पुलिस के बीच भरोसे को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ऑफ कैम्पस रिलीज के बाद इंटरनेट पर बढ़ी महिमा चौधरी की बेटी की सर्चिंग

भर चुका है परदेस एक्ट्रेस का डीएम

अमेजन प्राइम वीडियो सीरीज ऑफ कैम्पस की रिलीज के बाद महिमा चौधरी की बेटी इंटरनेट पर चर्चा में आ गई हैं। क्या है इसका कारण । महिमा चौधरी की बेटी अरिना सोशल मीडिया पर फेवरेट स्टार किड में से एक हैं। उनके क्यूट लुक और बबली अंदाज को फैंस काफी पसंद करते हैं। हर कोई महिमा चौधरी के बाद अब उनकी बेटी के बॉलीवुड में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हालांकि,वह बॉलीवुड में आए या नहीं आए, लेकिन वह हॉलीवुड जरूर पहुंच चुकी हैं। ऐसा हमें नहीं, बल्कि इंटरनेट यूजर्स को लग रहा है, जिस पर महिमा चौधरी ने भी रिएक्ट किया है।

क्या हॉलीवुड चली महिमा चौधरी की लाडली?

ऑफ कैम्पस वेब सीरीज रिलीज होने की वजह से महिमा चौधरी की बेटी अरिना इंटरनेट पर चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, इंडिया में जिन्होंने यह सीरीज देखी है, उन्हें महिमा चौधरी की लाडली बिल्कुल हॉलीवुड स्टार मीका अब्दल्ला की तरह लग रही हैं, जिन्होंने ऑफ कैम्पस में एली हायेस का किरदार निभाया है। बेटी अरिना की हॉलीवुड एक्ट्रेस मीका से हुई तुलना पर महिमा चौधरी ने भी रिएक्ट करते हुए बताया है कि उनका फोन मैसेजेस से पूरी तरह से भर चुका है। महिमा चौधरी ने एक इंटरव्यू में कहा, ÷हां मुझे पता है, लोग मुझे फोन कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या अरिना ने डेब्यू किया है? मैंने उन्हें बोला, नहीं अभी नहीं किया। कुछ कैम्पस थिंग वायरल हो रही है। कई लोगों ने मुझे उसकी क्लिप भी भेजी है। ये बहुत मजेदार है।

सिर्फ बेटी अरिना से ही नहीं महिमा से भी हो रही है तुलना

इंटरनेट यूजर्स हॉलीवुड एक्ट्रेस मीका की तुलना सिर्फ अरिना से ही नहीं, बल्कि महिमा चौधरी से भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वेट व्हाट, क्या मैंने धे कन एक्ट्रेस महिमा चौधरी को देखा। दूसरे यूजर ने लिखा, मैंने बिना साउंड के इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखी थी और शुरूआत में मुझे लगा कि मैंने महिमा को देखा है, जैसी वह परदेस फिल्म में थीं। एक अन्य यूजर ने लिखा, सिर्फ मैं ही हूं या किसी और को भी लगता है कि मीका का चेहरा महिमा चौधरी से बहुत ही मिलता जुलता है। जिन्होंने अभी तक यह सीरीज नहीं देखी है, वह ऑफ कैम्पस को अमेजन प्राइम वीडियो पर जाकर देख सकते हैं।

सलमान खान से चिढ़कर सेट छोड़ चली गई थीं सुष्मिता सेन,एटीट्यूड देख भड़के थे भाईजान

एक बार सलमान खान के ऊपर सुष्मिता सेन इस कदर नाराज हो गई थीं कि शूटिंग छोड़कर ही चली गई थीं।

सलमान खान और सुष्मिता सेन आज भले ही अच्छे दोस्त हों, लेकिन उनकी पहली मुलाकात अच्छे नोट पर नहीं हुई थी। उनकी पहली मुलाकात नाराजगी से हुई थी।

सुष्मिता और सलमान ने साथ में पहली फिल्म डेविड धवन की बीवी नंबर 1 से की थी। इस फिल्म में करिश्मा कपूर और सैफ अली खान भी थे। एक बार सलमान ने बताया था कि जब वह सेट पर पहली बार सुष्मिता से मिले थे, तब उन्होंने एक्टर को एटीट्यूड दिखाया था।

सलमान के लेट आने से भड़क गई थीं सुष्मिता

सलमान खान, सुष्मिता संग पहली मुलाकात का किस्सा फारूख शेख होस्टेड शो जीना इसी का नाम है में बताया था कि सेट पर लेट आने के चलते एक्ट्रेस उनसे बहुत नाराज थीं और बिना

फोटो- Social Media

कुछ कहे ही सेट से चली गई थीं। इस बारे में सलमान ने कहा था, एक दिन मैं शूटिंग के पहले दिन सेट पर देर से यानी 11 बजे पहुंचा। सुष्मिता सेन सुबह 9 बजे से ही वहां मौजूद थीं।

सुष्मिता के बिहेवियर से हैरान रह गए थे सलमान

सलमान ने आगे बताया था, तो जैसे ही मैं सेट पर गया और कहा हाय सुश (सुष्मिता)। यह पहली बार था जब मैं सुश से मिल रहा था। मैंने उनसे कहा, हाय सुश, तुम कैसी हो सुश? सलमान। और उसने बस मुझसे हाथ मिलाया,हुंह किया और वहां से चली गईं। फिर मैं डेविड धवन की ओर मुड़ा और बोला, उनकी दिक्कत क्या है, भाई? वह मुझे क्यों एटीट्यूड दे रही हैं?

सुष्मिता-सलमान की फिल्में

सुष्मिता सेन और सलमान खान की पहली मुलाकात भले ही खराब हो लेकिन बाद में दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई जो आज भी कायम है। दोनों ने मैंने प्यार क्यों किया और तुमको ना भूल पाएंगे फिल्मों में एक साथ काम किया है। उनकी जोड़ी को काफी सराहा गया।

7 डॉग्स से सलमान खान और संजय दत्त की फिल्म का एक्शन सीक्वेंस हुआ लीक

सलमान खान और संजय दत्त की अरबी फिल्म 7 डॉग्स के एक्शन सीन वायरल हो रहे हैं, जबकि भारत में इसकी रिलीज बाकी है। बेल्जियम-मोरक्कन जोड़ी आदिल अल अरबी और बिलाल फल्लाह निर्देशित अरबी फिल्म 7 डॉग्स 27 मई, 2026 को इंटरनेशनली रिलीज हो चुकी है। फिल्म में करीम अब्देल अजीज, अहमद एज और मोनिका बेलुची मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा इसमें दो बॉलीवुड एक्टर्स सलमान खान और संजय दत्त ने कैमियो किया है।यह फिल्म सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बहरीन और ओमान में रिलीज हो चुकी है। भारत में 7 डॉग्स अभी रिलीज होनी बाकी है, लेकिन सलमान और संजय दत्त के एक्शन सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

सुभाष घई ने किया मातृभूमि का रिव्यू

इस बीच, सलमान के पास दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। आने वाले दिनों में वो मातृभूमि और वामशी पेडिपल्ली की अगली फिल्म में नजर आने वाले हैं। मातृभूमि का निर्माण पूरा हो चुका है और हाल ही में सलमान ने सुभाष घई सहित फिल्म जगत की कुछ हस्तियों को यह फिल्म दिखाई है। घई ने सोशल मीडिया पर इसका रिव्यू भी किया। घई ने मातृभूमि का रिव्यू करते हुए लिखा,आज फूड स्क्वायर में अपने पसंदीदा निर्देशकों को एक साथ देखना बेहद खूबसूरत था। हमने अपूर्वा लखिया की फिल्म मातृभूमि का रफ कट देखा, जिसमें मुख्य कलाकार सलमान खान और चित्रांगदा हैं। यह फिल्म भारत और चीन के सैनिकों की मार्मिक कहानी पर आधारित है, जिसमें उनके अपने राष्ट्रों और परिवारों के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म में आपसी शांति और सम्मान का संदेश दिया गया है। हमें आमंत्रित करने के लिए प्रिय सलमान, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हम आपकी फिल्म %मातृभूमि% की अपार सफलता की कामना करते हैं। हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

कृति सनोन का वाइब्रेंट ग्रीन मिनी ड्रेस लुक बना चर्चा का विषय

अभिनेत्री कृति सनोन इन दिनों अपनी फिल्मों के प्रमोशनल फैशन लुक को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल 2 के प्रमोशन के दौरान उनका नया लुक सोशल मीडिया और फैशन जगत में चर्चा का केंद्र बन गया। कृति सनोन इस इवेंट में एक वाइब्रेंट ग्रीन मिनी ड्रेस में नजर आईं, जिसने तुरंत ही समर पार्टी फैशन का परफेक्ट उदाहरण पेश किया। उनका यह आउटफिट न केवल आकर्षक था, बल्कि स्टाइल और एलिगेंस का भी बेहतरीन मेल दिखाई दिया। इस लुक को देखकर फैशन प्रेमियों ने इसे अल्टीमेट समर पार्टी आउटफिट करार दिया। अभिनेत्री ने इस मौके पर एलेक्सिस की अराविन ड्रेस पहनी थी, जिसकी कीमत लगभग ` 67,000 बताई जा रही है। यह ड्रेस एक स्लीवलेस मिनी डिजाइन थी, जिसमें स्कूप नेकलाइन और क्लीन शिफ्ट सिल्हूट दिया गया था। इसका सिंपल लेकिन स्ट्रक्चर्ड डिजाइन इसे खास बनाता है।

कॉकटेल 2 प्रमोशन में वायरल क्लिप पर शाहिद कपूर-रश्मिका मंदाना की प्रतिक्रिया

शाहिद कपूर,रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में एक वायरल वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा देखने को मिली, जिसमें एक इवेंट के दौरान शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बीच एक छोटी-सी बातचीत को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। कुछ दिन पहले मुंबई में आयोजित म्यूज़िक लॉन्च इवेंट के दौरान पैपराज़ी के सामने पोज़ देते समय शाहिद कपूर को रश्मिका मंदाना के कंधे पर हाथ रखते हुए देखा गया था। उसी दौरान रश्मिका तुरंत थोड़ी पीछे हट गईं, जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद कई यूजर्स ने अलग-अलग तरह की अटकलें लगानी शुरू कर दीं और कुछ लोगों ने रश्मिका के असहज होने का दावा भी किया।

हालांकि उस समय किसी भी अभिनेता या अभिनेत्री ने इस वायरल क्लिप पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया था,जिससे चर्चा और तेज हो गई। इसके कुछ दिनों बाद शुक्रवार,29 मई को तीनों कलाकार एक बार फिर फिल्म के प्रमोशन के लिए साथ नजर आए। इस दौरान एक और मजेदार मोड़ देखने को मिला जब पोज़ देते समय शाहिद कपूर ने इस पूरे मामले पर हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी और मजाक में पीछे हटने की बात कही। उनके इस अंदाज को देखकर वहां मौजूद कृति सेनन भी हंसते-हंसते लोटपोट हो गईं। वहीं रश्मिका मंदाना ने भी पूरे मामले को सहजता से लिया और मुस्कुराते हुए जवाब दिया। उन्होंने यह साफ किया कि उनका इरादा किसी भी तरह की असहजता जताने का नहीं था और सोशल मीडिया पर जो भी बातें फैलाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। इस तरह फिल्म के प्रमोशन इवेंट में कलाकारों के बीच की यह हल्की-फुल्की बातचीत वायरल क्लिप से जुड़े विवाद को शांत करती नजर आई। अब फैंस का ध्यान फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज पर है, जो 19 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिलहाल इस पूरे मामले के बाद सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है और तीनों कलाकार अपने प्रमोशन अभियान में व्यस्त हैं।

खेल समाचार

कौन हैं मीनाक्षी गोयत,जिसने विनेश फोगाट को सेमीफाइनल में हराया

मीनाक्षी गोयत ने लोकप्रिय रेसलर विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल के सेमीफाइनल में हराकर बाहर कर दिया है...मीनाक्षी ने विनेश को इस मैच में 6-4 से हरा दिया है...

नई दिल्ली,30 मई 2026। शनिवार यानी 30 मई को विनेश फोगाट एशियन गेम्स 2026 में क्वालीफाई करने से चूक गई हैं। 31 साल की इस रेसलर को मीनाक्षी गोयत ने सेमीफाइनल में 53 केजी वेट कैटिगिरी में 6-4 से हरा दिया। इस हार के साथ अब विनेश फोगाट बाहर हो गई हैं। इससे पहले विनेश फोगाट ने अपना अनुभव और क्लास दिखाते हुए नीशू को हराया था और सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई थी। वहीं अपने पहले मैच में विनेश ने ज्योति को 7-1 से हराया था।

डब्ल्यूएफआई ने दी थी पहले 50 केजी में कंपीट करने की अनुमति

48 घंटों की उथल-पुथल के बाद विनेश की कोर्ट पर यह दमदार वापसी थी। विनेश की वापसी में सुप्रीम कोर्ट और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की अहम भूमिका रही। ट्रायल में विनेश की भागीदारी की पुष्टि शुक्रवार को ही हुई थी, जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी थी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि देश के लिए उनके योगदान को देखते हुए, वह इस मौके की हकदार हैं। इससे पहले, डब्ल्यूएफआई ने जोर देकर कहा था कि वह केवल 50 किग्रा वर्ग में ही प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। यह एक ऐसा फैसला था जिसका उन्होंने जोरदार विरोध किया था और महासंघ पर पक्षपात का आरोप लगाया था।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह के दखल और संगठन की ओर से की गई कार्रवाई के बाद, शनिवार सुबह विनेश को 53 किग्रा वर्ग के ट्रायल्स में हिस्सा लेने की इजाजत मिली।

कौन हैं मीनाक्षी गोयत?

मीनाक्षी गोयत भारत की उभरती हुई फ्रीस्टाइल रेसलर हैं, जो 53 केजी वेट कैटेगिरी में कंपीट करती हैं। 25 साल की इस रेसलर ने पिछले कुछ समय में काफी इम्प्रेस किया है। मीनाक्षी ने भारतीय स्पोर्ट्स के कई बड़े नामों को हराकर सुर्खियां बटोरी हैं। मार्च 2026 में मीनाक्षी गोयत ने नेशनल ट्रायल्स में 2 बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट अंतिम पंघाल को हराकर सबको हैरान कर दिया था।

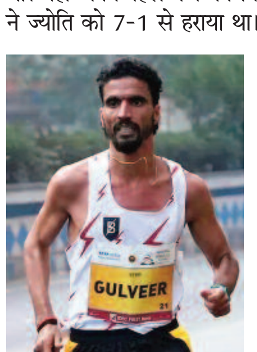

गुलवीर सिंह,4 मिनट से कम समय में मील दौड़ने वाले पहले भारतीय बने

क्लीवलैंड ,30 मई 2026। 27 साल के गुलवीर सिंह, जो पुरुषों की 10,000द्व दौड़ में एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता हैं, शनिवार को 24वें सालाना म्यूजिक सिटी ट्रैक कार्निवल में चार मिनट से कम समय में एक मील की दौड़ पूरी करने वाले पहले भारतीय धावक बन गए। वर्ल्ड कॉन्टिनेंटल टूर का आयोजन यूएसए में ली यूनिवर्सिटी क्लीवलैंड कैंपस में किया गया था। गुलवीर सिंह ने शनिवार को पुरुषों की 1 मील प्रो इवेंट में 3:55.63 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की एक रिलीज़ के अनुसार,यूएसए का प्रतिनिधित्व कर रहे 20 साल के क्रिस्टोफर नाइट 3:59.72 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, और यूएसए के ही 21 साल के ट्रिस्टन ट्रेविनो 4: 00.27 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यूएसए में रहने वाले यह भारतीय स्टार लंबी दूरी के धावक, आने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स और जापान में होने वाले एशियन गेम्स की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले,गुलवीर ने पुरुषों की 5000 आउटडोर इवेंट में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया था; उन्होंने यूएसए के लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक फेस्ट में 13:03.93 के समय के साथ रजत पदक जीता था। गुलवीर 13:03.93 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि न्यू मैक्सिको के हैबटॉम सैमुअल 12:57.22 के समय के साथ विजेता बने। खास बात यह है कि गुलवीर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 12:59.77 अभी भी कायम है।

आरसीबी और जीटी के बीच फाईनल मैच आज

नई दिल्ली,30 मई 2026। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का फाइनल मैच खेला जाना है। इस मुकाबले का आयोजन अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम करेगा, जिससे पहले होटल और फ्लाइट टिकटों के दाम में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। एक ओर आरसीबी की टीम में विराट कोहली और जोश हेजलवुड जैसे दिग्गज खिलाड़ी नजर आएंगे। वहीं, दूसरी तरफ जीटी शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान, कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे स्टार खिलाडियों से सजी है, जिसने फैंस के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। आईपीएल 2026 के फाइनल मैच से पहले 30 और 31 मई के दौरान अहमदाबाद के अधिकतर होटल हाउसफुल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर आप फ्लाइट से अहमदाबाद जाना चाहते हैं, तो 17,000 से 35,000 हजार रुपए तक किराया चुकाना पड़ सकता है। अहमदाबाद में मशहूर होटलों के किराए में भारी इजाफा देखने को मिला है। यहां एक रात का किराया 36 हजार रुपए तक पहुंच गया है। आमतौर पर मई के अंत को होटल इंडस्ट्री के लिए ऑफ-सीजन माना जाता है, लेकिन इस बार अहमदाबाद के कई बड़े होटलों में पहले से ही बुकिंग हो रही है। इस सीजन आरसीबी ने लीग चरण के दौरान 14 में से 9 मुकाबले अपने नाम किए थे। क्वालीफायर-1 मे सनराइजर्स हैदराबाद को 92 रन से रौंदकर टीम ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी तरफ, जीटी ने लीग चरण में 14 में से 9 मुकाबले अपने नाम किए, लेकिन क्वालीफायर-1 में उसे आरसीबी के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। हालांकि, क्वालीफायर-2 में इस टीम ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 7 विकेट से हराकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच तीन बार भिड़ंत देखने को मिली है। 24 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने जीटी के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की थी, लेकिन 30 अप्रैल को उसे 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में इस टीम के खिलाफ दमदार जीत हासिल की।

गोबरा नवापारा टीआई दीपेश जायसवाल सस्पेंड

अवैध शराब पर कार्रवाई में संदिग्ध भूमिका का आरोप,एसपी श्वेता श्रीवास्तव ने लिया एक्शन

रायपुर,30 मई 2026। रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने गोबरा नवापारा थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेश जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है। उन पर इलाके में अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं करने और कार्रवाई के दौरान संदिग्ध आचरण करने का आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद अवैध कारोबार जारी रहने की बात सामने आई। दरअसल, मामला 29 मई को तब खुला जब एसीसीयू रायपुर की देहात टीम ने गोबरा नवापारा स्थित लल्ला सोनवानी के ढाबे में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान वहां अवैध शराब बिक्री होते मिली। सूचना पर थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल भी मौके पर पहुंचे थे। एसपी कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि, कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी का व्यवहार संदिग्ध पाया गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी लल्ला सोनवानी से एकांत में बातचीत की। जिसके बाद उनकी भूमिका पर सवाल उठे।

सुशासन तिहार में हंगामा...कांग्रेस नेता शुक्ला और बीजेपी विधायक कौशिक के बीच तीखी नोकझोंक

बिलासपुर,30 मई 2026। जिले के बिल्हा क्षेत्र के गोढ़ी गांव में आयोजित सुशासन तिहार के समाधान शिविर में कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला और बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दोनों पक्षों के बीच विवाद का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रशासनिक अधिकारी स्थिति संभालते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, सुशासन तिहार के शिविर के दौरान राजेंद्र शुक्ला ने माइक लेकर ग्रामीणों से पानी, बिजली, सड़क, खाद-बीज और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर उनकी समस्याओं और आवेदनों के निराकरण की जानकारी लेना शुरू किया और अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। इस बीच कई विभागों की योजनाओं और कार्यों पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं सामने रखनी शुरू कर दी, जिससे माहौल गरमा गया और दोनों पक्षो में जमकर बहसबाजी शुरू हो गई। राजेंद्र शुक्ला अपने समर्थकों और ग्रामीणों के साथ सुशासन तिहार के नाम पर ढकोसला बंद करो के नारे लगाते हुए शिविर से बाहर निकलकर कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया।

सवाल करने के दौरान माइक बंद किया गया : शुक्ला

कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला ने आरोप लगाया है कि वे जनता की समस्याओं पर सवाल उठा रहे थे तो उनका माइक बंद कर दिया गया। समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा था और जवाब मांगने पर उन्हें बोलने से रोकने की कोशिश की गई।

सरकारी कार्य में व्यवधान उत्पन्न करना उचित नहीं : कौशिक

इधर विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता धरमलाल कौशिक ने कहा कि जब वे शिविर में पहुंचे तब राजेंद्र शुक्ला अधिकारियों से ऊंची आवाज में बात करते हुए सवाल कर रहे थे। सुशासन तिहार का उद्देश्य जनता की समस्याओं का निराकरण करना है। शिविर में सभी को आने और अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करना उचित नहीं है।

11 जून से आमरण अनशन करेगी आम आदमी पाटी

रायपुर,30 मई 2026। छत्तीसगढ़ में D.Ed अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर आम आदमी पार्टी ने अनशन का ऐलान किया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर कहा है कि,अगर 10 जून तक पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई, तो वे 11 जून से आमरण अनशन शुरू करेंगे। जायसवाल ने दावा किया है कि राज्य में सहायक शिक्षक के करीब 2300 पद खाली हैं। इनमें लगभग 1600 पद आदिवासी महिला और पुरुष अभ्यर्थियों से जुड़े बताए गए हैं। डीएड अभ्यर्थी पिछले 153 दिनों से रायपुर के तूता धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि, नियुक्ति नहीं मिलने से वे आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं। उत्तम जायसवाल ने कहा कि, अभ्यर्थी लगातार शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रहे हैं।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : गौरव मार्तंड उत्सव में सीएम साय हुए शामिल

देश की आजादी से लेकर नक्सलवाद के खात्मे तक मीडिया का अहम योगदान : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,30 मई 2026। हिन्दी पत्राकारिता की 200 वर्षों की यात्रा पूरी होने पर रायपुर प्रेस क्लब ने शनिवार को पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव मनाया। श्रीराम मंदिर के सुंदर सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दो सत्रों में कार्यक्रम समपन्न हुआ,जिसमें वक्ताओं ने हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली यात्रा,उसके योगदान और आगामी चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता,साहित्य और समाज से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की।

पत्रकारिता ने ही देश में आजादी की जगाई थी अलख : सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि साल 1836 में देश के पहले हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड की शुरुआत कोलकाता से हुई थी, जिसने देश में पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को लोकतंत्र का सच्चा सेनानी बताते हुए कहा कि पत्रकारिता ने ही देश में आजादी की अलख जगाई थी। असल मायनों में पत्रकारिता ही देश का चौथा स्तंभ है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी याद किया और कहा कि उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से देश में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाई थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने मां भारती के सपूत माधवराव सप्रे का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ से छत्तीसगढ़ मित्र का संपादन कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को जागृत और संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मोदी की गारंटियों को धरातल पर उतारने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने की रायपुर प्रेस क्लब के लिए 1 करोड़ रुपए की घोषणा

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ के विशेष रूप से मीडिया की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि जब हमारे मीडिया के साथी बस्तर की कहानी लिखते हैं, तो उसकी चर्चा देश और दुनिया भर में होती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि राज्य से नक्सलवाद के खात्मे में मीडिया जगत के अमूल्य योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पत्रकारों के हित में एक बड़ी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के लिए 1 करोड़ रुपए की मांग को तत्काल स्वीकृति दे दी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेशभर से पत्रकारों द्वारा की जा रही विभिन्न मांगों को लगातार पूरा कर रही है।

पत्रकारिता का मूल धर्म समाज और राष्ट्र को सही दिशा देना : मंत्री ओपी चौधरी

पत्रकारिता का मूल धर्म समाज और राष्ट्र को सही दिशा प्रदान करनाकार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की यात्रा अत्यंत गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि 1826 में जब उदंत मार्तंड की शुरुआत हुई, तब देश अंग्रेजी शासन के कठिन दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में पत्रकारिता ने अंधकार को सामने लाने के साथ समाज को उजाले की दिशा दिखाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल धर्म समाज और राष्ट्र को सही दिशा प्रदान करना है।

पत्रकारिता ने राष्ट्रधर्म और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा : डॉ. के.जी. सुरेश

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार और इंडिया हैबिटेट सेंटर के डायरेक्टर डॉ. के.जी. सुरेश ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्र भारत तक पत्रकारिता ने राष्ट्रधर्म और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने समय के साथ बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को विकसित किया है, किंतु सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा ने कई नई चुनौतियां भी उत्पन्न की हैं।

महासमुंद पुलिस ने पकड़ा 600 किलो गांजा

मशीनरी के कार्टूनों में छिपाकर ले जा रहे थे,एक गिरफ्तार,3.12 करोड़ की संपत्ति जब्त

महासमुंद,30 मई 2026। महासमुंद पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए 600 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इससे पहले 8 मई को एंबुलेंस से 77 किलो और 7 मई को पिकअप वाहन से 1.14 करोड़ रुपए मूल्य का गांजा बरामद किया गया था। अब कंपनी की मशीनरी और कार्टूनों के बीच छिपाकर ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे 6 क्विंटल गांजे को पकड़कर पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में गांजा, वाहन, मोबाइल और नकदी समेत कुल 3 करोड़ 12 लाख 15 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ओडिशा सीमा से लगे अंतरराज्यीय मार्गों और अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि लाल रंग की टाटा माजदा (एमएच-46सीयू-6060) में कंपनी के सामान की आड़ में गांजा भरकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है।

मशीनरी के नीचे छिपा रखा था गांजा

सूचना के आधार पर थाना सिंघोड़ा क्षेत्र के मुरमुरी चौक में वाहनों की सघन जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ी के ड्राइवर ने अपनी पहचान महबूब बादशाह शेख (65), निवासी अंबरनाथ, जिला ठाणे (महाराष्ट्र) के रूप में बताई। तलाशी के दौरान वाहन में रखे मशीनरी के बड़े कार्टूनों और अन्य सामान के नीचे तथा पीछे 24 प्लास्टिक बोरियां मिलीं। प्रत्येक बोरी में 25-25 किलोग्राम गांजा भरा हुआ था। इस तरह कुल 600 किलोग्राम (6 क्विंटल) गांजा बरामद किया गया।

ओडिशा से ठाणे तक था तस्करी का नेटवर्क : पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह गांजा ओडिशा के बौद्ध जिले से लेकर महाराष्ट्र के ठाणे जिले तक पहुंचाने जा रहा था। पुलिस का मानना है कि तस्करी के इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। तस्करों ने वाहन को काले रंग के त्रिपाल से ढंक रखा था,ताकि बाहर से देखने पर यह सामान्य मालवाहक वाहन लगे। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 600 किलोग्राम गांजा (अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपये), टाटा माजदा वाहन (करीब 12 लाख रुपये), एक मोबाइल फोन (5 हजार रुपये) और 10 हजार रुपये नकद जब्त किया है। कुल जब्त संपत्ति का मूल्य 3 करोड़ 12 लाख 15 हजार रुपये आंका गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(सी) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

समर्थ पोर्टल में सेंध की आशंका से जीजीयू में हड़कंप

प्रश्नपत्र,परीक्षा रिकॉर्ड और छात्रों का संवेदनशील डेटा खतरे में,5 सदस्यीय जांच समिति गठित..

बिलासपुर,30 मई 2026। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय (जीजीयू) में उस समय हड़कंप मच गया, जब केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपयोग किए जाने वाले समर्थ पोर्टल से जुड़े कुछ लॉगिन आईडी और पासवर्ड सार्वजनिक होने की जानकारी सामने आई। इस घटना ने विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली,गोपनीय दस्तावेजों और हजारों छात्रों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, समर्थ पोर्टल केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा संचालन,भर्ती,छात्रवृत्ति, दस्तावेज सत्यापन और प्रशासनिक कार्यों का प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म है। जीजीयू के करीब 32 विभागों का महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा इसी पोर्टल पर सुरक्षित रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक,पोर्टल की सुरक्षा में सेंध लगने की आशंका के कारण कई विभागों के प्रश्नपत्र,परीक्षा परिणाम और अन्य गोपनीय दस्तावेज जोखिम में आ गए हैं। यदि जांच में प्रश्नपत्रों तक अनधिकृत पहुंच की पुष्टि होती है, तो विश्वविद्यालय को कुछ परीक्षाएं रद्द या स्थगित करने जैसे बड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला..पितृत्व विवाद में डीएनए टेस्ट को दी मंजूरी,कहा...सच्चाई और न्याय के लिए वैज्ञानिक जांच जरूरी

महासमुंद,30 मई 2026। महासमुंद जिले के बसना ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पलसापाली से जुड़े एक चर्चित पितृत्व विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने डीएनए परीक्षण कराने के आदेश को बरकरार रखते हुए स्पष्ट कहा कि जब पितृत्व का प्रश्न सीधे विवाद का विषय हो और उसका समाधान किसी अन्य साक्ष्य से संभव न हो,तब न्यायहित में वैज्ञानिक जांच आवश्यक हो जाती है। यह मामला कई वर्षों से न्यायालयों में लंबित था। विवाद उस युवक द्वारा दायर दीवानी वाद से जुड़ा है, जिसमें उसने स्वयं को संबंधित व्यक्ति का पुत्र बताते हुए संपत्ति में हिस्सेदारी का दावा किया था। युवक की माता का कहना था कि वर्ष 1999 में दोनों के बीच संबंध बने थे, जिसके बाद युवक का जन्म हुआ। दूसरी ओर संबंधित व्यक्ति लगातार पितृत्व से इंकार करता रहा। मामले में पहले भरण-पोषण को लेकर भी कई कानूनी कार्यवाहियां हुई थीं।

रायपुर के मंदिर हसौद में चाकू गोदकर युवक का मर्डर...

गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी का घर तोड़ा,गाड़ी में लगाई आग,2 दिन में दूसरा केस

रायपुर,30 मई 2026। रायपुर से लगे मंदिर हसौद में शुक्रवार देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मर्डर के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के घर में तोड़फोड़ कर दी और बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगा दी। यह मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। मंदिर हसौद में 2 दिन में हत्या की यह दूसरी वारदात है। इससे पहले 22 मई से लापता भुवनेश्वर कुमार की लाश महासमुंद में मिली थी। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने पार्षद गोलू रात्रे और उनके 2 दोस्तों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, सतनामी मोहल्ला के रहने वाले तोषक भारती की आपसी विवाद के बाद चाकू मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की। वहीं घर के बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगा दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। बीते दो दिनों में मंदिर हसौद इलाके में हत्या की यह दूसरी घटना है, जिससे इलाके में दहशत और नाराजगी का माहौल है। मंदिर हसौद थाना पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस हत्या के पीछे आपसी रंजिश और विवाद के एंगल से जांच कर रही है। इसी मंदिर हसौद इलाके में 22 मई को लापता हुए भुवनेश्वर यादव हत्याकांड का खुलासा भी हाल ही में हुआ था। मामले में महासमुंद पुलिस ने निर्दलीय पार्षद नोहर दास उर्फ गोलू रात्रे समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि शराब भट्ठी के पास पानी को लेकर विवाद और गाली-गलौज के बाद भुवनेश्वर यादव की हत्या कर दी गई थी।

बिलासपुर व्यापार विहार के तेल गोदाम में भीषण आग

अंदर ऑयल से भरे 3 टैंक थे,इसलिए तेजी से फैली,निगम कमिश्नर बोले-जांच होगी

बिलासपुर,30 मई 2026। बिलासपुर के व्यापार विहार स्थित खाद्य तेल की चौधरी एजेंसी के गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। ऑयल के कारण देखते ही देखते आग बढ़ती चली गई। सुबह करीब 9 बजे की घटना है, 6 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की मदद से 6 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। आग बुझाने के लिए जेसीबी से गोदाम की दीवार भी तोड़ी गई थी। आगजनी में गोदाम में रखा लाखों रुपए का खाद्य तेल और अन्य सामान धू-धू कर जल गया। शॉर्ट सर्किट से घटना की आशंका जताई गई है। बताया जा रहा है, गोडाउन के अंदर 3 ऑयल टैंक बना था, जिसमें ऑयल भरे थे,यहां पैकिंग का काम भी होता था। नियम के मुताबिक,यह टैंक इंडस्ट्रियल एरिया में बनाए जाते हैं। इस घटना के बाद निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने जांच की बात कही है।

बड़ी मात्रा में रखा था तेल का स्टॉक : जानकारी के अनुसार,व्यापार विहार बिलासपुर संभाग का प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र माना जाता है। यहां बड़ी संख्या में गोदाम और एजेंसियां संचालित हैं। जहां आग लगी वह गोदाम तेल व्यापारी निमेष अग्रवाल का है, यहां तेल का भंडारण और पैकेजिंग का काम होता था। व्यापारी ने 2 करोड़ के माल जलने की बात कही। घटना के समय बड़ी मात्रा में खाद्य तेल का स्टॉक रखा हुआ था। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठता देख आसपास के व्यापारी और कर्मचारी बाहर निकल आए थे। यहां के व्यापारियों ने व्यापार विहार में फायर स्टेशन बनवाने की मांग भी की है। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठता देख आसपास के व्यापारी और कर्मचारी बाहर निकल आए। कुछ ही देर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट नगर सेना के मेंबर दीपांकु नाथ ने कहा कि सूचना मिलते ही हम तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना बड़ी लगी तो और फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाई गई। 5 गाड़ी लगातार यहां काम कर रही। और गाड़ियां बुलाई गई है। गोदाम एरिया में फायर स्टेशन होना चाहिए। लिखित तौर पर यह जारी किया जाएगा। अभी तक 6 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की मदद से पानी डाला गया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। गोदाम के सामने की दीवार भी तोड़ी गई है।

कमिश्नर बोले...गोदाम बनाने की परमिशन है कि नहीं जांच होगी

नगर निगम कमिश्नर प्रकाश सर्वे ने कहा कि व्यापारी के सहयोग से आग बुझाने का काम जारी है। यहां गोदाम बनाने और माल के पैकेजिंग की विधिवत परमिशन है कि नहीं इसकी जांच की जाएगी।

आसपास की गोदामों तक आग फैलने की आशंका

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,आग तेजी से फैल रही है। चौधरी एजेंसी के आसपास कई अन्य एजेंसियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। ऐसे में आग यदि दूसरे प्रतिष्ठानों तक पहुंच सकती है,जिससे करोड़ों रुपए के नुकसान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारियों को बड़ा तोहफा अब बिना प्रीमियम दिए मिलेगा भारी बीमा कवर

रायपुर,30 मई 2026। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहतभरी घोषणा की है। विभाग ने कर्मचारियों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उन्हें 6 लाख रुपये तक का मुफ्त जीवन बीमा कवर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस पहल को कर्मचारियों के हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे उनके परिवारों को भी सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। इस योजना को लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और बैंक ऑफ इंडिया के बीच जल्द ही एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया जाएगा। समझौते के बाद उन कर्मचारियों को इस बीमा सुविधा का लाभ मिलेगा जिनका वेतन खाता बैंक ऑफ इंडिया में संचालित होगा। विभाग का मानना है कि बैंकिंग सेवाओं के साथ बीमा सुरक्षा जोड़ने से कर्मचारियों को अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा और उनकी आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

लंबे समय से उठ रही थी मांग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों की ओर से लंबे समय से सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाओं की मांग की जा रही थी। कर्मचारियों का कहना था कि स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार कार्य करने के बावजूद उन्हें पर्याप्त बीमा सुरक्षा नहीं मिल रही थी। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिया गया यह निर्णय कर्मचारियों की पुरानी मांग को पूरा करने वाला कदम माना जा रहा है।

हजारों कर्मचारियों को मिलेगा सीधा फायदा : इस नई व्यवस्था का लाभ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत हजारों अधिकारी और कर्मचारी उठा सकेंगे। सबसे खास बात यह है कि कर्मचारियों को इस बीमा कवर के लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त प्रीमियम नहीं देना होगा। यानी उन्हें बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ के जीवन बीमा सुरक्षा प्राप्त होगी। योजना के अनुसार यदि किसी कर्मचारी की सामान्य परिस्थितियों में मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार को 6 लाख रुपये तक का बीमा लाभ दिया जाएगा। इससे कर्मचारियों के आश्रितों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक सहायता मिल सकेगी। विभाग का मानना है कि यह सुविधा कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का काम करेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)